जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 60 प्रभात जालोर, शनिवार 7 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी सरकार की विदेश नीति सफल रही या असफल?

यह मुद्दा रहेगा, संसद के आगामी सत्र में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं को लेकर बढ़ती आलोचना अब सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने से इनकार किए जाने के बाद विपक्ष ने अपना हमला तेज कर दिया है।

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर घोर लापरवाही और कई कूटनीतिक मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया है। हाल ही में हुए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से कोई ठोस परिणाम न निकलने को लेकर विपक्ष ने सरकार की कड़ी आलोचना की है और 33 देशों का दौरा करने वाले बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद में कथित भूमिका को उजागर कर वैश्विक समर्थन जुटाना था, वह भी इस्लामाबाद को अलग-थलग करने की दिशा में कोई ठोस आश्वासन या अंतरराष्ट्रीय सहमति प्राप्त करने में असफल रहा है।

कूटनीतिक शर्मिंदगी को और गहरा करते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति में पाकिस्तान को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया जाना, आतंकी नैटवर्क को पनाह एवं संरक्षण देने में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने से सम्बंधित भारत के लम्बे समय से चल रहे प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यह घटनाक्रम भारत की वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लम्बे समय से चली आ रही मुहिम की साख को कमजोर करता है।

स्थिति को और पेचीदा बनाते हुए, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में यह नया दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच "तनावपूर्ण गतिरोध" के दौरान युद्धविराम कराने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और इस प्रक्रिया में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सहयोग किया था। इस दावे ने भारत की विदेश नीति की स्वायत्तता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप की इन टिप्पणियों ने भारत की बड़ी शक्तियों पर बढ़ती निर्भरता और सुरक्षा मामलों पर सीमित होती जा रही कूटनीतिक स्वतंत्रता को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विपक्ष का कहना है, बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जो 33 राज्यों में भेजा गया, उसे, आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयास में खास सफलता नहीं मिली और न ही कोई ठोस आश्वासन मिला।
- दूसरी ओर यूनाइटेड नेशन्स की सुरक्षा परिषद की आतंकवाद विरोधी कमेटी में पाकिस्तान का वाइस चेयरमैन के रूप में मनोनीत होना, भारत के उन प्रयासों के लिए भारी धक्का है, जो भारत काफी समय से कर रहा है, पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी नेटवर्क्स को प्रश्रय देने की सच्चाई को उजागर करने के लिए।
- साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने से कि उनकी सक्रिय भूमिका के कारण भारत व पाक के बीच "सीज़फायर" हुई, से भारत की विदेश नीति की "स्वतंत्रता" पर आघात हुआ है और अब तो ट्रंप यह भी कह रहे हैं कि उनको "सीज़फायर" लागू करने के प्रयास में रूस का भी समर्थन प्राप्त था।
- सरकार का इस बारे में यह कहना है कि दीर्घकालीन कूटनीतिक रणनीति सही दिशा में अग्रसर है तथा छोटे-मोटे घटनाक्रमों से भारत की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता व प्रतिष्ठा पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

नयी दिल्ली, 06 जून। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन (एनबीई) को मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025, तीन अगस्त को एक ही पाली में आयोजित करने की शुक्रवार को अनुमति दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने एनबीई की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

- सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को नीट पीजी परीक्षा 3 अगस्त को कराने की अनुमति दे दी। परीक्षा एक ही पारी में आयोजित होगी।

अदालत ने इस संस्था की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने उसकी अर्ज़ी स्वीकार कर ली।

इससे पहले 30 मई को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने अदिति और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनबीई को 15 जून को पूर्व निर्धारित दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की सार्वजनिक छींटाकशी व झगड़े पर कटाक्ष किया

कांग्रेस ने कहा, दोस्ती कैसे निभाई जाती है, यह ट्रंप व मस्क को अडानी व मोदी की "दोस्ती" से सीखना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के बीच के बहुचर्चित मतभेद ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने का एक मौका दे दिया है। पार्टी की केरल इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप व मस्क के मतभेद को लेकर मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर तंज कसा।

कांग्रेस के पोस्ट में कहा गया: "प्रिय एलन मस्क, रिश्ता कोई भी शुरू कर सकता है, निभा पाना सबके बस की बात नहीं। भारत आइए और मोदी-अडानी से मिलिए और सीखिए कि एक मुख्यमंत्री और एक प्रधानमंत्री को 23 साल तक कैसे वफादार बनाए रखा जा सकता है।"

यह तंज ऐसे समय में आया, जब मस्क ने ट्रंप के "वन बिग, ब्यूटीफुल बिल", जो कई अरब डॉलर के टैक्स और खर्च पैकेज से संबंधित है, की आलोचना की। इस बिल को हाल ही में अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने पारित किया है।

इसके बाद मस्क ने एक्स पर धमाका करते हुए लिखा: "अब असली बम गिराने का वक्त है: असली ट्रंप तो एप्सटीन फाइल्स में हैं। यही असली वजह है कि उन फाइल्स को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। गुडलक डीजेटी।"

हालांकि मस्क ने इसका कोई सबूत पेश नहीं किया, फिर भी यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। आलोचकों ने तुरंत मस्क के घिसलेन मैक्सवेल, जो जेफरी एप्सटीन की करीबी सहयोगी थीं, के साथ संबंधों की याद दिलाई, जिससे यह मामला और गर्मा गया।

भारत में, कांग्रेस ने इस अवसर का उपयोग मोदी और अडानी के कथित घनिष्ठ रिश्तों को फिर से उजागर करने के लिए किया। वर्षों से यह देखा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं अक्सर अडानी समूह की वैश्विक व्यापारिक विस्तार योजनाओं के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि मोदी-अडानी "दोस्ती" पिछले तेईस सालों से चल रही है और कोई बदमज़गी की बात न सुनी और न देखी।
- जैसा कि विदित ही है, मस्क ने ट्रम्प के व्यक्तिगत आचरण को भी नहीं बक्शा और कहा कि एप्स्टीन फाइल्स इसलिए सार्वजनिक नहीं हो रहीं, क्योंकि उनमें राष्ट्रपति ट्रंप का नाम है। एप्स्टीन एक अंतर्राष्ट्रीय दलाल थे, जिन पर हाई-सोसायटी की पार्टियों में युवतियों व बच्चियों को सप्लाई करने का आरोप है।

ब्रिक्स देशों ने भारत की आतंक के खिलाफ "ज़ीरो टॉलरैंस" नीति पर सहमति दी

नयी दिल्ली/ ब्राजीलिया, 06 जून। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति पर सहमति जताई है।

ब्राजील की राजधानी ब्राज़ीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भारत सहित, 10 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लोकसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ओम बिड़ला सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ब्रिक्स संसदीय फोरम का 12वां सम्मेलन भारत में होगा, इसलिए सम्मेलन के अंतिम दिन बिरला को अध्यक्षता सौंपी गई है। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्त्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए साझा घोषणापत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वक्फ संबंधित उम्मीद पोर्टल लॉन्च

नयी दिल्ली, 06 जून। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्रीय पोर्टल 'उम्मीद' का शुभारंभ करने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह वक्फ संपत्ति प्रबंधन तथा प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

रिजिजू ने कहा कि इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद मिलेगी। यह पोर्टल अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का प्रभावी और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विदेशी छात्रों पर वीसा प्रतिबंध के आदेश पर रोक

सैन फ्रांसिस्को, 06 जून। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी विद्यार्थियों के लिए बीजा प्रतिबंध लगाने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। अमेरिकी संघीय न्यायाधीश एलिसन बरोज़ ने एक अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया, जो ट्रम्प द्वारा बुधवार को जारी किए गए आदेश के क्रियान्वयन को रोकता है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भाग लेने के लिए देश में प्रवेश करने की अंतरराष्ट्रीय छात्रों की क्षमता बहाल हो जाएगी। ट्रम्प की घोषणा और होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के प्रयास को लागू करने पर रोक लगाने वाले आदेश को जारी करते हुए बरोज़ ने लिखा कि वह सुनवाई लंबित रहने तक यथास्थिति बनाए रखने के लिए काम कर रही थीं। न्यायाधीस बरोज़ ने माना कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इस बात के "पर्याप्त सबूत" पेश किए हैं कि घोषणा से तत्काल और अपूरणीय क्षति होगी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय को लक्षित करने वाली ट्रम्प की घोषणा पिछले महीने के अंत में डीएचएस द्वारा स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विज़िटर प्रोग्राम में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रमाणन को रद्द करके विदेशी विद्यार्थियों को नामांकित करने की हार्वर्ड की क्षमता को सीमित करने के प्रयास के बाद हुई।

भगवान सिंह रोलसाबसर का निधन

जयपुर, 6 जून। क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाबसर का गुरुवार देर रात जयपुर में निधन हो गया।

वे लगभग 81 वर्ष के थे। उन्होंने एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे बीमार चल रहे थे और पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे सहित, कई नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

- क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं ने दुख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोलसाहबसर के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या "इमरजैंसी" पर बहस करने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत होगा?

कांग्रेस इस अफवाह से विचलित है तथा संभावित सत्र को पहलगाम व ऑपरेशन सिंदूर की कमियों से ध्यान हटाने की साजिश बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। फिलहाल भारत सरकार की ओर से 25 जून 2025 को 1975 की इमरजेंसी पर चर्चा के लिए किसी विशेष संसद सत्र को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इसके बजाय, सरकार ने 21 जुलाई से 12 अगस्त तक मानसून सत्र आयोजित करने की घोषणा की है, ताकि विशेष सत्र की मांगों को रोका जा सके।

तथापि, कांग्रेस पार्टी ने दावा किया है कि सरकार 25 जून 1975 को लगी इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर एक विशेष सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस संभावित कदम की आलोचना करते हुए इसे हाल की पहलगाम आतंकी घटना और उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, सरकार की ओर से ऐसे सत्र बुलाने या न बुलाने के बारे में अधिकृत रूप से कुछ भी नहीं कहा गया है, पर, इंडिया गठबंधन, जिसे 16 राजनीतिक दल, जैसे, कांग्रेस, सपा, डीएमके तथा तृणमूल कांग्रेस आदि पार्टियां शामिल हैं, ने प्र.मंत्री से आग्रह किया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए ताकि ऑपरेशन सिंदूर व देश की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर गहराई से विश्लेषण हो सके।

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्राँसफर लगभग सभी करते हैं

पर, इस रियल टाइम सैटलमैंट व्यवस्था (आर.टी.जी.एस.) की जितनी उपयोगिता आज है, उतनी ही रोचक उसकी ऐतिहासिक कहानी भी है

-अंजन रॉय-

नई दिल्ली, 6 जून। अगर आपने अपने बैंक खाते से किसी अन्य खाते में पैसे ट्रांसफर किए हैं, तो संभवतः आपने आर.टी.जी.एस. प्रणाली का उपयोग किया होगा। यह तो ज्ञात है, लेकिन आर.टी.जी.एस. प्लेटफॉर्म और उसके विकास के बारे में बहुत कम जानकारी है।

रियल टाइम ग्रॉस सैटलमैंट (आर.टी.जी.एस.) प्रणाली को मूल रूप से विभिन्न देशों के बैंकों के बीच बैंक खातों के सैटलमैंट के लिए बैंक फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स (बी.आई.एस.) द्वारा विकसित किया गया था। बाद में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा। अब, बी.आई.एस., बैंकिंग से जुड़े खतरों से विवेकपूर्ण तरीके से निपटने के नियम बनाने वाली प्रमुख संस्था है।

बेसल एक, बेसल दो, और बेसल तीन – ये बैंकों के लिए, उनके जोखिम के संदर्भ कैपिटल रिक्वायरमैंट (पूँजी की आवश्यकता) के तीन लैवल हैं, जो यह निर्धारित करते हैं कि बैंक अपने व्यापार के स्तर और आकार के अनुसार कितनी स्वयं की पूंजी बनाए रखें। इन्हें बेसल कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (पूंजी पर्याप्तता अनुपात) कहा जाता है।

इस प्रकार, बी.आई.एस. (बैंक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के बाद, विजयी देशों ने जर्मनी से "वॉर डैमेजेज़" (युद्ध में हुई भारी क्षति) की भरपाई की मांग की।
- यह रकम बैंक फॉर इंटरनैशनल सैटलमैंट (बी.आई.एस.) को ट्राँसफर होती थी, उसके बाद बी.आई.एस. विजयी शक्तियों के दावों को "सैटल" करता था। पर, 1932 के वरसाय एग्रीमैंट के बाद, यह महसूस किया गया कि जर्मनी इन दावों की रकम देने की सामर्थ्य नहीं रखता। अतः, बी.आई.एस. का रोल खत्म सा मान लिया गया था।

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा-मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पडता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुन: उपयोग करें और पुन: चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे-बडे शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं।

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है। एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झडी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झडी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सडकों के साथ-साथ ढलान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्त्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्त्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेडछाड नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े, पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोडता।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढ़ेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुन: उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुन:चक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुन: चक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

जन आंदोलन बनाने के लिए जन भागीदारी जरुरी : राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आगाज़

बाल मुकुन्द ओझा

राजस्थान में पेयजल और घरेलू आपूर्ति के लिए 70 फीसदी भूमिगत जल पर ही निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन अब भूमिगत जल भी खतरनाक स्तर तक नीचे चला गया है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आगाज़ किया है। यह अभियान प्रदेशभर में 5 से 20 जून तक चलाया जायेगा। अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनर्रूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। जल संरक्षण का यह अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान है। राजस्थान को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और हरा-भरा बनाने के लिए बने इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत नए जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन कार्यों के साथ ही बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोकने के लिए बांध, ऐनिकट तथा नहरों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा, जिससे मानसून में बारिश के पानी का संग्रहण तथा भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा के मुताबिक अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरूआत की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों में भी इस अभियान को विशेष महत्व देते हुए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच और बारिश के जल की एक-एक बूंद को सहज कर भूमि में समाहित करने की यह परिकल्पना सरकार के साथ नागरिकों और स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से पूर्ण हो सकती है इसीलिए इसे जन आंदोलन के रूप में चलाने की मंशा जाहिर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संग्रहण संरचनाओं एवं जलाशयों की साफ-सफाई के कार्यों में स्वयं सेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों सहित अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर श्रमदान कराया जाए। जिला स्तर पर हर दिन अलग-अलग विभागों द्वारा संयुक्त श्रमदान कराया जाए। साथ ही, सरकारी कार्यालयों में जल संरक्षण के संबंध में संकल्प कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा संस्थाओं का सम्मान भी किया जाए। आजादी के बाद से ही मरुस्थलीय क्षेत्र राजस्थान पेयजल के संकट से जूझता रहा है। पहले लोग कुए, तालाब और बावड़ियों के पानी पर निर्भर थे। आबादी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ने लगी। जलप्रदाय की अनेक योजनाएं बनी मगर पानी का संकट कम होने के बजाय बढ़ता ही गया। परम्परागत श्रोत सूख गए और जल प्रदाय योजनाओं के नए केंद्र बनने शुरू हुए। हर साल करोड़ों अरबों की राशि इन कार्यों पर खर्च होने के बाद भी प्रदेश में पेयजल की किल्लत से हम जूझ रहे है। जल जीवन की पहली प्राथमिकता है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

जल समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहाँ सवाल यह उत्पन्न होता है की भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट सामना क्यों कर कर रहे है। इसका जवाब है हमने अपने परंरागत जल श्रोत समाप्त कर दिए। राजस्थान को कुए, बावड़ी टांकों और तालाबों का प्रदेश कहा जाता है। यहाँ लाखों की संख्या में परंपरागत जल श्रोत थे। नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे है। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। हमारे देश और प्रदेश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।

हमारे देश में सूखा और बाढ़ की अजब गजब स्थिति है। देश के किसी भाग में सूखा तो किसी में बाढ़ अक्सर हम देखते है। भारत सरकार द्वारा कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है और इसका नारा है जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें। नीति आयोग के अनुसार, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग को जल संरक्षण और भूजल को रिचार्ज करने का एक सरल, व्यवहारिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता है। ऐसे में देश के कई राज्यों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बना दिया गया है। शहरी विकास मंत्रलय के मुताबिक प्रति 100 स्क्वायर मीटर क्षेत्र की छत से हर साल 55,000 लीटर तक जल का संरक्षण किया जा सकता है।

राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की सफलता आम आदमी के सहयोग पर निर्भर करती है। यह अभियान केवल सरकारी अभियान बनकर नहीं रह जाये, इसके लिए मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। इसके लिए सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। है। आम आदमी को जल संरक्षण एवं समझाइश के माध्यम से पानी की बचत का सन्देश देना होगा। वर्षा की अनियमितता और भूजल दोहन के कारण भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

– बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रधानमंत्री जी का राम-राम : राजस्थानी भाषा की मान्यता का सकारात्मक संकेत हो सकता है

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलने की उम्मीद बढ़ी है। पिछले दिनों देशनोक-पलाना में प्रधानमंत्री जी के आगमन के बाद राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की उम्मीद की जा सकती है। करणी माता के जय घोष और पलाना की आमसभा का शंखनाद 'था सगळा नैं रामराम' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

वहां उपस्थित सभी श्रोताओं ने उनकी इसका प्रति उत्तर जोश और उत्साह से दिया। इसके मायने स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री जी राजस्थानियों और उनकी भाषा को प्यार करते हैं।

अपनी बात को राजस्थानी भाषा से प्रारंभ करके उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिया की राजस्थान के नेता अगर उनको राजस्थानी भाषा, साहित्य और संस्कृति के उत्थान के लिए सिस्टमैटिक तरीके से बताएं तो वह राजस्थानी भाषा को मान-सम्मान देने के लिए तत्पर है। वे जब भी राजस्थान आते है, हमेशा यहां के स्थानीय देवी-देवताओं की जय जयकार करते हैं। और अपनी बात राजस्थानी भाषा में प्रारंभ करने से कभी भी भूलते नहीं। प्रधानमंत्री जी यह भी जानते हैं कि राजस्थानी और गुजराती बहुत समीप हैं, ऐसे में गुजराती को मान्यता मिली हुई है तो राजस्थानी भाषा को भी मान्यता दी जा सकती हैं। दुख तो तब हुआ जब राजस्थान के एक भी नेता ने प्रधानमंत्री जी को राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु आग्रह भी नहीं किया। प्रधानमंत्री जी राजस्थानी की बात करना चाहते हैं, अपनी बात का प्रारंभ राजस्थानी के महत्वपूर्ण शब्द 'था सगळा ने राम-राम' से किया। प्रधानमंत्री जी की भावना को हमें समझना चाहिए, उन्होंने वैसा ही किया जैसा साहित्य अकादेमी दिल्ली में विभिन्न भाषाओं के साहित्यकार अपनी-अपनी भाषाओं में प्रस्तुति देते हैं, वहां भी सबसे पहले वह एक शब्द या एक लाइन अपनी भाषा में कहते हैं उसके बाद हिंदी अथवा अंग्रेजी में अपनी प्रस्तुति दिया करते हैं। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री जी ने राजस्थानी भाषा से अपनी बात प्रारंभ की। अब प्रधानमंत्री जी को स्थानीय नेतागण राजस्थान के लोगों की भावना से अवगत कराए।

राजस्थान के नेताओं का वर्चस्व केंद्र की राजनीति में सर्वाधिक हैं। राजस्थान के नेताओं को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के लोगों पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर राजस्थान के लोगों को बिठाया हुआ हैं। और तो और अब भारतीय रिजर्व बैंक भी राजस्थानी के भरोसे कर दी। इतने भरोसेमंद लोगों की भाषा को मान्यता नहीं होना वहां की संस्कृति के साथ खिलवाड़ है। दिल्ली में बैठे राजस्थान के नेतागण आरबीआई के गवर्नर को साथ लेकर प्रधानमंत्री जी से मुलाकात कर उनसे अपनी प्रदेश की भाषा को मान्यता देने का आग्रह करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सकारात्मक निर्णय लेंगे। प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय भाषाओं को महत्व दिया गया हैं। और फिर राजस्थान की संस्कृति का समृद्ध भंडार है, जो हजारों वर्षों में विकसित हुई है, यहां की कला, साहित्यिक कृतियां, प्रथाओं, परंपराओं, भाषाई अभिव्यक्तियां, कलाकृतियां, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में विस्तार से प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए। प्रधानमंत्रीजी जानते हैं कि उन्होंने राम-राम केवल उपस्थित लोगों को ही नहीं कर रहे, बल्कि दुनिया भर में बैठे मारवाडी मित्रों को भी राम-राम कर रहा हूँ। जब भी विदेश जाते हैं तो वहां उनको हमेशा राजस्थानी लोग जरूर मिलते हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री जी को देशनोक करणी माता जी के आशीर्वाद से राजस्थान की भाषा साहित्य एवं संस्कृति के बारे में विस्तार से परिचित कराएंगे तो निश्चित रूप से उनका दिया हुआ राम-राम राजस्थानी भाषा की मान्यता में तब्दील होगा। पिछले लंबे समय से केंद्र सरकार तक राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए विधिवत रूप से कोई मांग रखी ही नहीं जा रही है, मैं अनेक बार समाचार पत्रों के माध्यम से यह आग्रह करता रहा हूं कि हमारे प्रदेश के 35 सांसद एक साथ प्रधानमंत्री जी को आग्रह करें तो प्रधानमंत्री जी राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का विचार अवश्य करेंगे आखिर यह जिम्मेदारी किसकी है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

भक्ति संगीत की दुनिया में स्वर साधक पंडित ओम व्यास ने अलग मुकाम बनाया

- **ओम व्यास ने सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में स्वरसाधना की शुरुआत की थी**
- **उम्मीद जताई जा रही है कि संभवतः भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है**

डीडवाना, (नि.सं.)। कहा जाता है कि संगीत और कला सरहदों के परे होते हैं। संगीत व कला के फनकारों की कला के दीवाने किसी एक स्थान या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं होते, बल्कि वह पूरे जग में फैले होते हैं। ऐसे फनकारों के जब करोड़ों लोगों को दीवाने बनते हैं तो उसके पीछे उनकी वर्षों की मेहनत, लगन और समर्पण होता है, जिसके बदौलत वे बुलंदियों पर पहुंचते हैं। ऐसा ही एक नाम है, स्वर साधक पंडित ओम व्यास का, जिन्होंने अपनी स्वर साधना से भजनों की दुनिया में अपना एक अलग वर्चस्व कायम किया, बल्कि डीडवाना का भी नाम रोशन कर दिया।

गौरतलब है कि भारतीय गीत-संगीत में राजस्थानी स्वर, साधना और समर्पण का एक अनूठा इतिहास रहा है। देश की सांस्कृतिक परम्पराओं में राजस्थानी लोक गीतों का भी अभूतपूर्व योगदान रहा है। राणाकुंभा, हमीर हड़ग और मीरा की गायकी ने भारतीय संगीत को न केवल आध्यात्मिक स्वरुप दिया, बल्कि लोक चेतना की एक सशक्त परम्परा को भी स्थापित किया। उसी परंपरा के स्वरूप में राजस्थानी गीत-संगीत आज भी कायम है। उसी परंपरा में राजस्थान के डीडवाना की थार की धरती से निकले स्वरसाधक ओम व्यास आज भक्ति संगीत की दुनिया में एक जाना पहचाना नाम बन चुके है। बीते जमाने के सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में व उनके पथ-प्रदर्शन में उन्होंने राजस्थानी गीतों के माध्यम से अपनी स्वरसाधना की शुरुआत की। आज यह साधना परवान चढ़ चुकी है। अपनी माता स्व. राधादेवी हरिशंकर व्यास के मुख से सुमधुर भजन सुन-सुन कर बचपन से ही इनमें संगीत गायन की जिज्ञासा जागृत हो गई थी। उस जमाने में जब हर कोई फिल्मों की चकाचौंध में अपना रुख फिल्मों की तरफ कर रहा था, तब इन्होंने अपनी अलग राह बनाई। भक्ति संगीत व लोक गीतों को अपनी एक अलग शैली और विशेष अंदाज में अपनाकर उसे जनमानस तक पहुंचाया। पंडित ओम

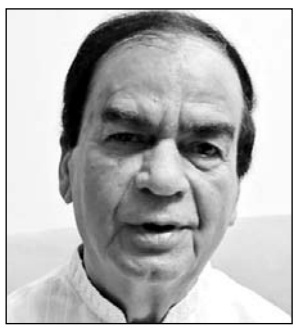

स्वर साधक पंडित ओम व्यास

व्यास की मधुर आवाज के लोग इतने दीवाने थे कि उनका प्रभाव फिल्मी दुनिया तक पहुंच गया। इसी कारण उन्हें फिल्मों में गाने और संगीत का मौका मिला। मगर एक-दो फिल्मों में काम और गीत गाने का मौका मिलने के बावजूद इनका मन और झुकाव भक्ति संगीत और भजनों पर ही रहा और फिर वे कभी फिल्मों के लिए गीत नहीं गा सके।

प्रख्यात संगीत कंपनी एच.एम.वी. (सारेगामा) द्वारा प्रस्तुत एल्बम "अर्चना" हिन्दी भजनों का कैसेट एवं पहला एल.पी. रिकॉर्ड है, जिसे ओम व्यास ने अपने सुरों से सजाया। यह एल्बम भक्ति गीतों में एक मील का पत्थर साबित हुआ। अर्चना इनका पहला एल.पी. रिकार्ड है, जो आज तक की ओम व्यास की गीत-संगीत यात्रा की ऐतिहासिक धरोहर है। यह संयोग है कि अर्चना भजन श्रृंखला के गीत स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज ने लिखे हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण से अलंकृत किया था। इसके अलावा दर्जनों भजन व भक्ति एल्बम से ओम व्यास ने जन जन में भक्ति भाव को जागृत किया। डीडवाना के बेटे ओम व्यास की इन उपलब्धियों और कामयाबी से उनके पैतृक शहर डीडवाना के लोग भी बेहद खुश और उत्साहित है। वहीं ओम व्यास भी संगीत की दुनिया में व्यस्त होने के बावजूद आज तक अपनी मिट्टी को नहीं भूले हैं। वे आज भी डीडवाना को याद करते हैं। उनका कहना है कि वह आज जिस मुकाम पर है उसके पीछे डीडवाना की धरती का ही कमाल है। आज भी ओम व्यास का डीडवाना से जुड़ाव है और वह समय-समय पर डीडवाना आते जाते हैं। पंडित ओम व्यास को भक्ति संगीत में विशेष योगदान और राजस्थानी लोक कला को बढ़ावा देने के उपलक्ष में अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इसके अलावा कई संस्थाएं भी उन्हें पुरस्कृत कर चुकी है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि संभवत: भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 7 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र प्रात: 9:40 तक, वारियान योग दिन 11:17 तक, बवकरण सायं 6:03 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

द्विपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 9:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:40 से सूर्योदय तक है। आज वन्जुलिनी महाद्वादशी व्रत, चंपक द्वादशी है। आज ईद उल जुहा (बकरीद) मु. है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:18 से 9:01 तक, चर 12:25 से 2:08 तक, लाभ अमृत 2:08 से 5:32 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। कमर दर्द के कारण परेशानी हो सकती है।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सार-समाचार

बालोतरा यू.आई.टी. ने कार्य शुरू किया

बालोतरा, (निसं)। नवगठित बालोतरा नगर विकास न्यास ने अपना कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया है। जिसे अस्थाई रूप से उपखण्ड कार्यालय बालोतरा परिसर में संचालित किया जा रहा है। जिससे बालोतरा शहर और आसपास के क्षेत्रों में सुनियोजित विकास की नई उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के बाद गठित इस महत्वपूर्ण संस्था का उद्देश्य क्षेत्र में शहरीकरण को व्यवस्थित करना और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। कलक्टर यादव को बालोतरा यूआईटी का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में यूआईटी अब विभिन्न विकास परियोजनाओं को अंजाम देगी। जिनमें पट्टे जारी करना, भू-उपयोग परिवर्तन, स?क नेटवर्क का विस्तार, जल निकासी प्रणाली में सुधार, बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करना और जलापूर्ति में सुधार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों को पारदर्शी भूमि आवंटन भी यूआईटी की प्राथमिकताओं में से एक होगा, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिल सके। बालोतरा यूआईटी के लिए कुल 22 नए पदों का सृजन किया गया है, जो इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेगा। प्रारंभिक खर्चों को पूरा करने के लिए जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बालोतरा यूआईटी को 5 करो? की राशि प्रदान की गई है। यह कदम बालोतरा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, खासकर अपने वस्त्र प्रिंटिंग उद्योग और पचपदरा रिफाइनरी के कारण। अब तक, अनियोजित विकास ने शहर के बुनियादी ढांचे पर दबाव डाला था। यूआईटी के गठन से अब यहां व्यवस्थित शहरीकरण को ब?ावा मिलेगा, जिससे निवासियों के जीवन स्तर में सुधार होगा और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने बताया कि वे जल्द ही मास्टर प्लान पर काम शुरू करेंगे ताकि शहर के भविष्य के विकास की दिशा तय की जा सके। यह उम्मीद की जा रही है कि बालोतरा यूआईटी के प्रयासों से यह शहर एक आधुनिक और सुव्यवस्थित शहरी केंद्र के रूप में उभरेगा।

माली समाज का प्रतिभा सम्मान 8 को

बालोतरा, (नि.सं.)। 8 जून रविवार को संत लिखमाराम शिक्षण संस्थान एवं माली समाज विकास समिति बालोतरा के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह एवं कार्यालय उद्घाटन को लेकर आयोजकों में समाज में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन की व्यापक तैयारी के तहत आयोजन समिति द्वारा अलग-अलग कार्यदल बनाए गए हैं, जो गांव-गांव एवं घर-घर जाकर लोगों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र प्रदान कर रहे हैं। सचिव अचलचंद गहलोत ने बताया कि यह समारोह न केवल क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का एक प्रयास है, बल्कि इससे युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। समिति द्वारा गठित अलग-अलग दलों ने पिछले कई दिनों से गांवों का दौरा शुरू कर दिया है। ये दल प्रत्येक घर परिवार तक पहुंचकर उन्हें आमंत्रण पत्र दे रहे हैं तथा कार्य म की विशेषताओं के बारे में जानकारी भी दे रहे हैं। जनसंपर्क अभियान के तहत संस्था के वरिष्ठ सदस्य मूलाराम सांखला, रतनाराम सोलंकी,हाजाराम,हीरालाल सोलंकी ने थराद ,डीसा, दियोदर,सांचौर, भीनमाल, रानीवाडा अमराराम सुंठदेशा, अचलचंद गहलोत, जगदीश पंवार, ओमप्रकाश पंवार, खेताराम सोलंकी, गणपत गहलोत, डूंगर चंद गहलोत, सुरेश सांखला, विशनाराम पंवार,माणकचंद चौहान, गणपतलाल कच्छवाह, प्रदीप पंवार,द्वारा पाटोदी, पचपदरा, आसोतरा, बागावास , बनियावास, बालेसर, सिवाना, धारणा, मिठोडा, जेठंतरी, नेवाई,मालियों की ढाणी, जालौर आदि गांवों का दौरा किया गया। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। ग्रामीणों में भी इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और काफी लोगों की उपस्थिति की उम्मीद की जा रही है।

सुंदेलाव तालाब पर सांस्कृतिक संध्या हुई

जालोर, (कासं)। आगामी मानसून में वर्षा जल के अधिक से अधिक संग्रहण तथा विद्यमान जल स्त्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता के लिए जिले में 5 से 20 जून तक चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत गुरूवार को सायंकाल सुन्देलाव तालाब स्थल पर दीप प्रज्जवलन व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदम्बरा परमार, एसीबीईओ किस्तुराराम बामणिया व रमेश खोरवाल, स्काउट सीओ अक्षय कुमार मीणा, नगर परिषद के अशोक शर्मा, सहायक अभियंता दीपक कुमार, कनिष्ठ अभियंता अविनाश सिंह, नरेन्द्र परिहार व शैजला माथुर आदि मौजूद रहे। सांस्कृतिक संध्या में महात्मा गांधी सी.सै. स्कूल शिवाजी नगर जालोर की छात्रा प्रियांशी ने ''आयो रे तीज त्योहार......'', स्काउट-गाइड के दल ने ''एक पौधा आज हम भी लगाएं......'', विक्रम क्लासेज जालोर के कार्तिक, भूमि, दिव्यांशु व अंजु गहलोत ने ''प्लास्टिक हटाओ, धरती बचाओ....'' व पर्यावरण थीम पर समूह नृत्य नाटिका से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महात्मा गांधी सी.सै. स्कूल शिवाजी नगर जालोर की छात्रा वैदिका ने ''बरसो रे मोघा-मेघा...'' पर नृत्य, लिटल फ्लोवर के विद्यार्थियों ने ''हरियाली की यही पुकार...''गीत पर समूह नृत्य, विक्रम क्लासेस की रूचिका व कुसुम ने पर्यावरण थीम पर कविता की प्रस्तुति दी।

विश्वकर्मा योजना का शिविर 9 को

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष की आयु में 3 हजार रूपये मासिक पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र 41 वर्ष से 45 वर्ष आयु वर्ग के लाभार्थियों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए 9 जून को राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग जालोर परिसर में कैम्प का आयोजन किया जायेगा। राज्य बीमा एवं प्रा.नि. विभाग जालोर की संयुक्त निदेशक सुनीता यादव ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा 2024-25 की अनुपालना में प्रदेश के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों द्वारा सामपना की जाने वाली कठिनाईयों और भविष्य संबंधित आशंकाओं के समाधान एवं वृद्धावस्था में उन्हें सम्बल प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना लागू की गई है। यह स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना के संचालित होगी। योजना के पात्र अभिदाताओं को 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 3 हजार रूपये मासिक पेंशन दी जायेगी। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत 41 वर्ष से 45 वर्ष आयु वर्ग के लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन करने के लिए पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार/जनाधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड व बैंक पास दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

जल संरक्षण कार्यों का अवलोकन

जैसलमेर, (नि.सं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय जैसलमेर के संयुक्त तत्वावधान में आज शुक्रवार, निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर मीडिया प्रतिनिधियों का फिल्ड भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने जिले के जल संरक्षण एवं पर्यावरण के क्षेत्र में हुए उत्कृष्ठ कार्यो के साथ ही वर्षाती जल संचय संरचानाओं, एनिकट, तालाब, टांके, कुए, खड़ीन, फार्म पौंड ,चारागाह विकास एवं उद्यानिकी के कार्यो का अवलोकन किया। उन्होंने जलठाहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग जैसलमेर द्वारा जोगणिया मंदिर के पास 19 लाख 80 हजार रुपये लागत से बने 25 हजार लीटर क्षमता के वृहत पानी के एनिकट निर्माण कार्य का अवलोकन कर जलठाहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधीक्षण अभियंता कौशल पालीवाल से इस एनिकट की उपयोगिता, जल क्षमता एवं जल संचय की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने एनिकट से लाभ एवं पशुधन के लिए उपलब्ध पेयजल संचय पर संवाद किया।

कुर्बानी का पर्व ईदुल अजहा आज, सफाई व भाइचारे पर जोर दिया

पाली, (नि.सं.)। कुर्बानी का पर्व ईदुल अज़हा मुस्लिम समाज पाली सहित जिलेभर में शनिवार को बड़ी अकीदत और एहतराम से मनाएगा।

जिला मुस्लिम समाज के प्रवक्ता शक़ील अहमद नागौरी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुस्लिम समाज शनिवार को मनाए जाने वाले ईदुल अजहा को लेकर मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम भाई , उपाध्यक्ष हाजी मेहबूब टी व सचिव मोहम्मद रफीक गौरी के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां की जा रही है जो आज शुक्रवार शाम तक पूरी कर ली। पाली शहर की मुख्य ईदगाह में शनिवार को सुबह 8 बजे ईदुल अजहा की नमाज मौलाना दानिश कफ़ील मोमिनो को अदा कराएंगे।

ईदगाह कमेटी के सदर मोहम्मद हनीफ भिश्ती के नेतृत्व में कमेटी के सदस्य हजारों मोमिनो को ईदुल अजहा की नमाज अदा कराने की तैयारियों में जुटे रहे।

पाली शहर में मुस्लिम समाज के लोग ईदुल अज़हा मनाने की तैयारी में जुटे रहे। फोटो-राष्ट्रदूत

जिला मुस्लिम समाज के प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने बताया की पाली मुस्लिम समाज के सदर हकीम, भाई , सेकेट्री हाजी मोहम्मद रफ़ीक गोरी, उपाध्यक्ष ,हाजी मेहबूब टी , मोहम्मद सलीम मिस्कीन ,सहित मुस्लिम समाज के लोगों ने मुस्लिम समाज से अपील करते हुए कहा कि ईदुल अज़हा का पर्व कुर्बानी का पर्व है आपकी कुर्बानी कर के सड़को व नालियों की साफ सफाई का विशेष रूप से खयाल रखें। अवशेषों को बाहर न फेंके जिससे शहर व जिले में साफ के साथ किसी की भावनाएं आहत न हो और भाईचारे की भावना के साथ साम्प्रदयिक सद्धावना बनी सफाई बनी रहे। नागौरी ने बताया कि पाली शहर की मुख्य ईदगाह मस्तान बाबा के साथ इंद्रा कोलानी ईदगाह व नयागांव ईदगाह में पेश इमाम ईदुल अजहा की नमाज अदा कराएंगे व विभिन्न मस्जिदों में भी ईदुल अजहा की नमाज इन मुकर्रर वक्त पर मस्जिदों के पेश इमाम अदा कराएंगे।

बालोतरा रेलवे स्टेशन पर भामाशाहों का सम्मान

बालोतरा, (निसं)। जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान के तहत अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला बालोतरा भुवनेश्वर सिंह चौहान ने गंगा दशहरा व निर्जला एकादशी पर बालोतरा रेलवे प्लेटफार्म पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा भामाशाहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा शरबत, नींबू की शिकंजी और ठंडा पानी के लिए लगाए अस्थाई जल केंद्रों का निरीक्षण किया तथा स्वयं ने रेलवे प्लेटफार्म पर यात्रियों को तथा बाडमेर जाने वाली रेलगाडी में गिलासों में भरकर शरबत और शिकंजी की सेवा की।

जानकाारी के अनुसार बालोतरा में नवनिर्मित हो रहे रेलवे स्टेशन के निर्माण के कारण शीतल जल केंद्र को तोड दिया गया था अत: भामाशाह दीपक बंशीधर सेठिया ने शीतल जल केंद्र का वापस निर्माण करवाया, जिसमें लगभग 9 लाख रुपए एक बार पुन: खर्च किए। इसलिए रेलवे प्लेटफार्म पर ही अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चौहान ने अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मनोज भूवन के साथ भामाशाहों का माला पहनकर सम्मान किया। इसके पश्चात भारत विकास परिषद के सदस्यों का भी मालाओं से सम्मान किया गया, क्योंकि निर्जला एकादशी के इस विशेष अवसर पर जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान के तहत पूरे बालोतरा जिले में मनोयोग से यात्रियों और आम नागरिकों को शरबत और नींबू पानी के साथ शीतल जल भी पिला रहे थे।

इसके पश्चात अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अधीक्षण अभियंता के साथ नया बस स्टैंड छतरिया का मोर्चा तथा कृषि उपज मंडी में चलाए जा रहे शीतल पेयजल अस्थाई केंद्रों का अवलोकन किया। इसी तरह से बालोतरा जिले के समस्त शहरों एवं कस्बों तथा गांवों में पानी की प्याऊ लगाकर गंगा दशहरा से शुरू हुए पखवाडे में मुख्यमंत्री महोदय भजनलाल शर्मा के आव्हान पर शीतल पेयजल का वितरण किया गया।

लाखोटिया में कार्यक्रम हुआ

पाली ,(नि.सं)। वन्दे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के तहत गुरूवार को जिला प्रशासन व नगर निगम व अन्य विभागों के तत्वाधान में रात्रि में लाखोटिया तालाब और गार्डन में सांस्कृतिक कार्यक्रम व दीपदान इको फ्रेन्डली दीपक बना कर सरोवर में प्रवाहित किये गये।इस अवसर पर जिला कलक्टर एल एन मंत्री ने सपत्नीक गंगा दशमी एव विश्व पर्यावरण दिवस पर सरोवर की आरती कर सुख , समृद्धि एव शांति की कामनायें की। इस अवसर पर वहां पर रंगोली मनाई गयी और जल सरंक्षण व पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही इस अवसर पर बच्चों द्वारा समूह नूत्य , भाषण , और नुक्कड नाटक से पर्यावरण व प्रकृति बचाने का संदेश दिया गया।

केशव व्यास, महेन्द्र मुणोत, ओ.पी. चौधरी ने कार्य संभाला

जालोर नगर परिषद् में अधिवक्ता केशव व्यास, महेन्द्र मुणोत व ओम प्रकाश चौधरी ने विधि सलाहकार का पदभार ग्रहण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं) । नगरपरिषद जालोर में विधि सलाहकार पद पर अधिवक्ता केशव व्यास, महेन्द्र मुणोत व ओम प्रकाश चौधरी ने शुक्रवार को कार्य ग्रहण मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की उपस्थिति में किया गया।

स्थानीय निकाय जयपुर के विधि निदेशक लेखराज जाग्रत ने नगरनिकाय में विधिक सलाहकार , पैनल अधिवक्ता एवं विधि परामर्शदाताओं के नियुक्त आदेश जारी किये गये। जिसमें अधिवक्ता केशव व्यास, महेन्द्र मुणोत व ओम प्रकाश चौधरी को जालोर नगरपरिषद में विधि सलाहकार नियुक्त किया गया।

शुक्रवार को मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की उपस्थिति में तीनो को विधि सलाहकार के रुप में पदभार ग्रहण किया गया। वही आयुक्त दिलीप माथुर ने तीनो विधि सलाहकार को पदभार ग्रहण करवायाा वही विधि सलाहकार पद पर कार्य ग्रहण करने के बाद कहा कि नगरपरिषद को समय समय पर कानूनी जानकारी देने के साथ परिषद के लम्बित मामलों का निपटारा नगरपरिषद के पक्ष में करवाया जायेगा। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विधि सलाहकार की जिम्मेदारी अधिक बनती है कि वे नगरपरिषद को कानूनी प्रक्रिया से पूर्ण अवगत करवाकर कार्य करें । इस दौरान आयुक्त दिलीप माथुर, लेखाधिकारी अशोक कुमार सहित नगरपरिषद स्टॉफ अन्य मौजूद थे।

सेवा व स्वच्छता गतिविधियां हुई

जालोर, (कासं)। जल स्त्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता के लिए जिले में 5 से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत शुक्रवार को वंदे गंगा जल सेवा व स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों एवं खालों की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई करवाई गई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भामाशाह व स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से वंदे गंगा जल सेवा, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, कृषि उपज मण्डी समिति आदि सार्वजनिक स्थानों पर एनएसएस, एनसीसी व एनवाईके के स्वयंसेवकों के सहयोग से वंदे गंगा जल सेवा गतिविधि व जल परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। वही डिस्कॉम द्वारा ट्रांसफामर्स के आस-पास झाड़ी कटाई व साफ-सफाई करवाई गई। इसी प्रकार स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालने (डी-सिल्टिंग) एवं साफ-सफाई के लिए श्रमदान, वंदे गंगा जल सेवा, पशु खेलियों की साफ-सफाई, पशुओं के लिए साफ पीने के पानी की व्यवस्था एवं पक्षियों के लिए परिंडे बांधना आदि गतिविधियाँ आयोजित की गई। अभियान के तहत 7 जून, शनिवार को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर धार्मिक, व्यापारिक संगठन, भामाशाह, गणमान्य व्यक्तियों को सूचीबद्ध कर जल संरक्षण जन अभियान की गतिविधियों से संबंधित विषय पर विचार विमश/संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। स्थानीय गौशालाओं, पशु चिकित्सालय व दुग्ध संघ में स्वच्छता अभियान आयोजित होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना

No. - Comml/E-auction/2025/22 Date: 05.06.2025

उक्त के संदर्भ में स्टेशन पर कैटरिंग के ठेके हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैटलोग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किये जा चुके है।

क्र.स.	कार्य का नाम		जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कैटरिंग के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन	
1.	कार्य की अवधि		कैटरिंग:- 5 वर्ष	
2.	लॉट के ई-ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि व समय		दिनांक:- 19.06.2025 समय:- 11:00 बजे से	
3.	स्टेशन	PF	स्थान	श्रेणी
(i)	सुजानगढ़	1	Center of Platform	GMU-General (W)
(ii)	सुजानगढ़	1	Toward RTGH end	GMU-General (N)
(iii)	देशनोक	1	Toward MTD end	GMU-General (N)
(iv)	धनेरा	1	At Center of platform & near station building	GMU-General (N)
(v)	नागौर	2	On MTD side (2nd from MTD end)	SMU ST (N)
(vi)	नोखा	1	On BKN Side (1st from BKN end)	SMU-SC (N)
(vii)	जालौर	1	At Center of platform & near station building	SMU-OBC (N)
(viii)	बाड़मेर	1	On SMR side (2nd from SMR end)	SMU SC (W)

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें 656-CR/25

कृषि अनुसंधान केन्द्र

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ ( )/कृअके/2025-26/123-128 दिनांक 31.05.2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रात: 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रात: 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह् 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर संचालित कपास, मक्का, PVT परियोजना में कृषि कार्य।	723575/-	14500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

कृषि अनुसंधान केन्द्र

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ ( )/कृअके/2024-25/129-134 दिनांक 03.06.2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रात: 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रात: 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह् 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म बांसवाड़ा पर संचालित बी.टी. कपास परियोजनाओं में कृषि कार्य।	7,00,000/-	14,000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

सांथू में वंदे गंगा जल संरक्षण कार्य का अवलोकन किया

जालोर, (कासं)। जिले में 5 से 20 जून तक आयोजित किए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार को सांथू ग्राम व बांकली बांध में मीडिया फील्ड भ्रमण गतिविधि का आयोजन किया गया। सांथू में प्रिन्ट व इलेक्ट्रोनिक मीडियाकर्मियों के साथ राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग भी उपस्थित रहे।

सांथू ग्राम में जिला प्रशासन व भामाशाह के संयुक्त प्रयासों से किए गए पर्यावरण संरक्षण कार्यों का मीडियाकर्मियों को विजिट करवाया गया। गौरतलब है कि सांथू ग्राम के भामाशाह दलपत सिंह राजपुरोहित, शांतिलाल राजपुरोहित, रामलाल राजपुरोहित, चंदन सिंह राजपुरोहित व भरत राजपुरोहित ने जिला प्रशासन के सहयोग से सांथू-नून मार्ग स्थित चारागाह भूमि पर बनाई गई वाटिका में पारस पीपल, नीम, शीशम, गुन्दा, पलाश, चीकू, लीची, अमरूद, आम व कटहल सहित विभिन्न प्रजाति के 1100 पौधों का रोपण गत वर्ष राज्य सरकार के ''एक पेड़ माँ के नाम'' के तहत करते हुए पर्यावरण संरक्षण की मिसाल कायम की है। इन पौधों की समस्त देखरेख भामाशाहों द्वारा किया जा रहा हैं।

वहीं जिला परिषद द्वारा चारागाह भूमि पर जीएलआर व ड्रिप द्वारा सिंचाई की व्यवस्था की गई है। फील्ड भ्रमण के दौरान मीडियाकर्मी सहित जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, जालोर प्रधान नारायण सिंह राजपुरोहित, पुखराज विराणा, जितेन्द्र सिह, रमेश राजपुरोहित, भरत राजपुरोहित, सरपंच मांगीलाल सांथू, मोती सिंह सांथू उपस्थित रहे।

सांथू ग्राम में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को मीडिया के माध्यम से जन सामान्य तक पहुँचाया जायेगा तथा भामाशाहों के सहयोग से जल व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। फील्ड विजिट के दौरान मीडियाकर्मियों ने जालोर जिले में सन् 1904 में निर्मित बांकली बांध का अवलोकन कर इसके जल ग्रहण क्षेत्र तथा इससे लाभान्वित होने वाले ग्रामों, निकलने वाली नहरों, फाटकों का संचालन, गेज व पेटाकाश्त में हो रही खरबूजों की खेती के बारे में जानकारी ली। मीडियाकर्मियों ने बांध से लाभांवित हो रहे ग्रामीणों से बातचीत की। बांकली बांध से जालोर जिले में आहोर तहसील के 8 ग्राम बांकली, तोड़मी, रेवड़ा कल्ला, घाणा, बिजली, भोरड़ा, रामा व बाला तथा पाली जिले के रोहट तहसील के सिराणा ग्राम में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाया जाता है।

सेलड़ी व पाती की भूमि पर पेटाकाश्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध है।

सोनारिया तूरा में नवीन भवन का लोकार्पण आज

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती तूरा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय सोनारिया के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण शनिवार सवेरे आठ बजे समारोहपूर्वक किया जाएगा। सीबीईओ भंवरलाल परमार ने बताया कि भामाशाह माली धर्माजी सुन्देशा परिवार लोदराउ की ओर से राप्रावि सोनारिया के नवीन विद्यालय भवन का निर्माण करवाया गया है। जबकि माली कपूराराम पुत्र हिन्दुजी गहलोत परिवार सोनारिया तूरा ने विद्यालय के लिए भूमि दान दी है। जिसका लोकार्पण मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की मुख्य आतिथ्य तथा जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम में जिला प्रमुख राजेश राणा, प्रधान ढोमी देवी राजपुरोहित, जिला परिषद सदस्य गुलाबीदेवी, सरपंच चंदा कंवर और भाजपा जिला महामंत्री पुखराज राजपुरोहित सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे।

कार्यालय नगर पालिका खुडाला फालना स्टे. जिला-पाली

टेलि न./फैक्स न. -(02938) 236170/236115 ई-मेल -eombfalna@gmail.com

क्रमांक/न.पा.खु.फा.स्टे./2025-26/1070 दिनांक. 03.06.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा 69 क धारा के अन्तर्गत प्रशासन शहरो के संग अभियान मे नगरपालिका खुडाला-फालना स्टे. कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किये गये है। जो निम्नुनसार है :-

क. स.	नाम आवेदक मय पिता/पति का नाम	क्षैत्रफल वर्गफिट	प्रयोजन
01	श्रीमती शरीफा बानु पत्नी अख्तर खान, मदरसा गली इंदिरा कोलोनी फालना	675 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
02	श्री पुरणमल पुत्र ओटरमल मस्जिद गली फालना	821.56 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
03	श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकर जोशी नेहरू कोलोनी फालना	1500 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
04	श्री बालूसिंह राजपुरोहित पुत्र आईदानसिंह राजपुरोहित	556.87 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
05	श्रीमती कमला देवी पत्नी जगदीश प्रसाद कुम्हारो का जाव भटवाडा	1250 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
06	श्री रमेश कुमार व जयन्तिलाल पुत्रगण केसाराम लोहार विजय नगर	800 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
07	शशिबेन, पूर्णिमा एवं प्रीति पुत्रीगण हीरालाल नेहरू कोलोनी	800 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख
08	रमेश रूपचंद एवं प्रफुल रूपचंद पुत्रगण रूपचंद जी नेहरू कोलोनी	800 वर्गफिट	69 क धारा के अर्न्तगत पट्टा विलेख

उपरोक्त प्रकरणों में अडौस पडौस की स्थिति कार्यालय मे उपस्थित होकर मूल पत्रावली में देखी जा सकती है। सभी प्रकरणों में इस कार्यालय द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जानी है। उपरोक्त प्रकरणों के निस्तारण करने में किसी भी व्यक्ति/संस्थान को कोई भी वैध आपत्ति है तो लिखित में आपत्ति मय ठोस सबूत दस्तावेज सहित अधौहस्ताक्षरकर्ता को इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय में प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा बाद गुजरने म्याद प्रकरणों का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा। राज.संवाद/सी/25/3684 अधिशाषी अधिकारी

सायला में चन्द्रशेखर का स्वागत

सायला, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना राज्य के संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के बाडमेर प्रवास के दौरान सायला पहुंचने पर भाजपा मण्डल सायला के कार्यकर्ताओ द्वारा स्वागत किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष नैनमल लखारा ने बताया कि तेलंगाना राज्य के भाजपा संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के सायला आगमन पर कार्यकर्ताओं ने साफा एवं दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया। संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन हित में सदैव तत्पर रहने की बात कही। इस दौरान मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जालोर प्रभारी मंत्री के.के. बिश्नोई, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, पूर्व जिलाध्यक्ष राव श्रवनसिंह बोरली, जिला महामंत्री पुखराज राजपुरोहित, दीपसिंह धनानी, उदयसिंह परमार, आसकरणसिंह दहिया, ताराराम चौधरी, नरपतसिंह रेवतडा, सुरेश राजपुरोहित, लालाराम थलवाड, नारायणसिंह वीराना, कृष्णसिंह राजपुरोहित, विजय आचार्य, भीष्मनारायणसिंह, रामसिंह चारण, रमेश मेघवाल सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

पाली कारागृह का निरीक्षण

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार ऋचा चौधरी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा आज जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 100 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इस को लेकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा कारागृह में बन्दीगण को नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया।

साथ ही इस बात की भी जानकारी ली गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है।

इस अवसर पर निरीक्षण में जोराराम कारापाल जिला कारागृह पाली, डॉ. जसाराम चिकित्सक जेल डिस्पेंसरी पाली, जेल विजिटिंग लॉयर वैशाली व्यास, अल्ताफ हुसैन आदि उपस्थित रहे।

मंदिरों में उमडी भीड़

पाली, ( )। निर्जला एकादशी का पर्व शुक्रवार को शहर जिले भर में उत्साह पूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर लोगों ने निर्जल रहकर व्रत रखा। लोगों ने फल फ्रूट जूस पीकर व्रत रखा। सोमनाथ मंदिर गोपीनाथ जी मंदिर, वेंकटेश मंदिर, रघुनाथ जी मंदिर, गीता सत्संग भवन आदि मंदिरों में पहुंचे, और भगवान को आम,शक्कर , पानी के गड़े आदि चढ़कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर पर शहर के कई चौराहे पर शहर वासियों ने नींबू शिकंजी छाछ मिल्क रोज पिलाई गई। गायों को भी हरा चारा खिला कर दान पुण्य किया।

एटीएम कार्ड बदलकर रकम उड़ाने वाली गैंग कर पर्दाफाश, दो जने गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 284 एटीएम कार्ड व कार जब्त की

- शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में वारदात देते रहे
- गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं

अजमेर, (कासं)। एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रकम उड़ाने वाली गैंग के दो शातिर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने गैंग पर्दाफाश करते हुए बताया कि शातिरों के पास से 284 एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में वारदात देते रहे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है, अन्य वारदातें खुलने की उम्मीद पुलिस ने जताई है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियनगंज थाने के सीआई अरविंद चारण गैंग का पर्दाफाश करते हुए बताया कि शहर में एटीएम कार्ड बदलकर वारदात अंजाम देने वाली गैंग के जयपुर जिले के गोविंदगढ़ और चौमूं निवासी दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से अलग-अलग बैंकों के 284 एटीएम कार्ड और एक कार भी जब्त की है। पुलिस ने यह कार्रवाई गत दिनों थाना क्षेत्र में रहने वाले एक बुजुर्ग का कार्ड बदलकर राशि निकालने के मामले में इनकी तलाश की थी।

सीआई चारण ने बताया कि केरियों की ढाणी माकड़वाली निवासी भंवरलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 29 मई की शाम करीब सात बजे स्टीफन चौराहे के पास बीओबी के एटीएम बूथ पर रुपए निकालने गया था। वहां रुपए नहीं निकले, तब दो युवकों ने मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 75 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने शातिर बदमाशों की तलाश शुरू करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें संदिग्धों को पहचान कर मुखबिर की सूचना के आधार पर ऐसी घटनाएं करने वाले बदमाशों की सूची तैयार की गई। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर ही बदमाशों का सुराग लगा। पुलिस द्वारा लगातार बदमाशों पीछा किया गया और इनमें से एक को चौमूं से और दूसरे को श्रीमाधोपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं।

सीआई ने बताया कि बदमाश किराए पर टैक्सी कार बुक करके अलग-अलग शहरों में घूमाते रहते हैं। शहरों में एटीएम बूथों पर जाकर भोले-भाले लोगों को शिकार बनाते हैं। बूथ के अंदर जाकर यह ग्राहक का पासवर्ड देख लेते और रुपए नहीं निकलने पर मदद के बहाने कार्ड बदल लेते। मौके पर एक बार तो राशि निकाल कर दे देते हैं, लेकिन कार्ड बदलकर बाद में बड़ी रकम निकाल लेते हैं। इस रकम का उपयोग मौज मस्ती और महंगे शौक पूरे करने में खर्च कर देते हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अजमेर शहर सहित ब्यावर, भीनमाल, जालोर, उदयपुर, नीमराना अलवर, उदयपुरवाटी झुंझुनूं में एटीएम बदल कर धोखाधड़ी की वारदात अंजाम देना कबूल की है। आरोपियों से और घटनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है।

बाइक में आग लगी, युवक जिंदा जला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में करंट लगने से बाइक समेत युवक जिंदा जल गया। युवक बाइक लेकर 31 बीबी गांव से निकल रहा था। इस दौरान अचानक उसकी बाइक फिसल गई और बिजली के पोल से टकरा गई। बिजली के पोल में करंट आने से बाइक में आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद करवाई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग में युवक जिंदा जल गया। हादसे की सूचना पर गजसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका-मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और युवक की पहचान करने के प्रयास में जुटी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक जैसे ही पोल के पास से गुजरा अचानक उसकी बाइक फिसल गई और पोल से टकरा गई। पोल में करंट होने के कारण युवक और बाइक करंट की चपेट में आ गया। बाइक में आग लगने से युवक जिंदा जल गया। युवक की पहचान नहीं हो पाई है, उसकी उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि युवक सब्जी बेचने का काम करता था और रोजाना गांव में फेरी लगाने आता था। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के पोल में करंट आने की वजह शॉर्ट सर्किट या पोल की खराब वायरिंग है।

गबन का आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह थाना पुलिस ने उचित मूल्य की दुकान से सरकारी गेंहू गबन के मामले में आरोपी राशन डीलर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम चौधरी ने बताया कि टोडारायसिंह थाने में दर्ज आवश्यक वस्तु अधिनियम में वांछित राशन की दुकान से 11083 किलोग्राम सरकारी गेंहू के गबन के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुये आरोपी राशन डीलर पुखराज पुत्र श्रवण लाल बैरवा निवासी सालग्यावास टोडारायसिंह को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः– विकास/उत्तर/द्वितीय/2025–26/927 दिनांकः– 30.05.2025

:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या ::

(UB NO. DLB2526WSOB06550)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्तें इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम, जोधपुर उत्तर — आयुक्त, नगर निगम, जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/3786

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 571 Date: 30-05-2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 11/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY2.0 Block-Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 09-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526WSRC00352

UBN NO-WSC2526A0204

Superitending Engineer and Project Manger, WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/7254/2025

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड

कैफे संचालक सहित दो नाबालिगों की जमानत खारिज

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में हुए रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को पॉक्सो कोर्ट ने कैफे संचालक सहित दो नाबालिग आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। जानकारी के अनुसार कैफे पर बच्चियों के साथ हैवानियत हुई थी। इससे पूर्व चार जून को मुख्य आरोपी पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की भी जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। मामले में बिजयनगर थाना पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 11 बालिग और 5 नाबालिग है।

सरकारी वकील प्रशांत यादव ने बताया कि बिजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में 3 आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मामले में आरोपी कैफे संचालक श्रवण जाट सहित दो नाबालिगों ने जमानत याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीनों की अर्जी को खारिज कर दी है। यादव ने बताया कि पीड़िताओं से कैफे में रेप की वारदात हुई थी। कैफे संचालक श्रवण कुमार आरोपियों के संपर्क में था। ये जानते हुए कि आरोपी नाबालिग पीड़िताओं को गलत काम के लिए कैफे लेकर आए हैं, उन्हें रोका नहीं और पैसे लेकर कैफे में शरण दी। वारदात के दौरान आरोपी श्रवण कुमार भी कैफे पर ही मौजूद था। मामला सामने आने के बाद कैफे संचालक भाग गया, जिसे कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब आरोपी कैफे संचालक ने जमानत याचिका कोर्ट में पेश की थी। इस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकारी वकील ने कहा कि कोर्ट के सामने हमने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पारिवारिक विवाद में बहनोई की चाकू मारकर हत्या

- हमले में बहनोई का चचेरा भाई घायल, घटना के बाद आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र सेक्टर 14 में गुरूवार की रात में एक ज्यूस की दुकान के पास में दो सालों ने मिलकर अपने बहनोई और उसके चचेरे भाई पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह घायल बहनोई की रात एक बजे मौत हो गई। वहीं उसका चचेरा भाई अस्पताल में भर्ती है। इधर घटना के बाद आरोपी सालें मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस रातभर छापेमारी करती रही। हमले का कारण आरंभिक तौर पर पारिवारिक विवाद बताया जाता है। पुलिस ने मामले से जुड़े कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं शुक्रवार सुबह शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। देर रात इस बारे में घायल के पर्चा बयान पर केस दर्ज कर लिया गया था।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि रात में सूचना मिली कि सेक्टर 14 के पास में चाकूबाजी हुई है। इस पर पुलिस तत्काल वहां पहुंची। जहां पर दो घायलों नुमान और रफीक को जनसहयोग से अस्पताल भिजवाया गया। थानाधिकारी पारिक के अनुसार नुमान और उसके दो सालों फिरोज एवं समीर के साथ एक अन्य व्यक्ति ने यह हमला किया था। इनकी तलाश की जा रही है। आरंभिक पड़ताल में इनके बीच में कोई पारिवारिक विवद सामने आ रहा है। फिलहाल इस बारे में पूर्ण पता लगाया जा रहा है। हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई है। नुमान को गंभीर घाव लगे थे, जिसकी बाद एक बजे मौत हो गई। थानाधिकारी पारिक के अनुसार कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय, अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशैड सेल कम डाटा सेन्टर जिला-कोटपूतली-बहरोड

E-mail:-sewdsc.kot.behror@rajasthan.gov.in

क्रमांक-417-427 दिनांक-29-5-2025

ई-निवदा सूचना सं-03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत जिला कोटपूतली बहरोड के 01 ब्लॉक में एनिकट, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शाफ्ट, जोहड/तालाब रिनोवेशन, अर्द्धचं चैक डैम, एमपीटी, परकोलेशन टैंक, सब सरफेस बैरियर, संकन पोण्ड तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अन्तर्गत 02 ब्लॉक में अमृत सरोवर, ट्यूबवेल रिचार्ज, एनिकट आदि काय इत्यादि के अंतर्गत करवाए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्य हेतु जिला कोटपूतली-बहरोड में स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थय अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमैंट प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण "https://eproc.rajasthan.gov.in", "https://sppp.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेवसाईट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।

NIB code:- WSC2526A0200

UBN	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड/ अपलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
WSC2526WSOB00344 WSC2526WSOB00345 WSC2526WSOB00346 WSC2526WSOB00347	दिनांक 30.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से 08.06.2025 सायं 06 बजे तक	दिनांक 09.06.2025 प्रातः 11 बजे

(हरिमोहन बैरवा)
अधीक्षण अभियन्ता पदेन
परियोजना प्रबन्धक (डब्ल्यू. सी.डी.सी.) कोटपूतली-बहरोड

DIPR/C/7234/2025

उदयपुर : आबादी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट दिखा

उदयपुर, (कासं)। शहर के आबादी इलाके में शुक्रवार सुबह एक लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। इसके बाद से आसपास के लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि लेपर्ड पटरी पार कर राणा प्रताप स्टेशन की तरफ भागा है।

शहर के ओस्तवाल नगर के एक निवासी के अनुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे रसोई के पीछे कुछ आवाज आ रही थी। जब रसोई की खिड़की से बाहर की तरफ देखा तो झाड़ियों में लेपर्ड छिपा हुआ था। इस पर आसपास के लोगों को आवाज देकर बुलाया, लेकिन तब तक लेपर्ड वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि जहां लेपर्ड दिखा वहां से कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक है और पास में एक फैक्टरी है जो बंद पड़ी है। लोगों की आवाज सुनकर लेपर्ड पटरी पार कर स्टेशन की तरफ भाग गया। लोगों ने बताया कि सूचना पर वन विभाग की टीम भी यहां सुबह आठ बजे आई, लेकिन वे थोड़ी देर यहां रुके और मौका देखा। लोगों का कहना है कि टीम लेपर्ड यहां से रेलवे स्टेशन की तरफ चला गया कहकर चली गई जबकि लेपर्ड के मूवमेंट को देखकर पीछे फैक्टरी और रेलवे स्टेशन की तरफ पूरा चेक करना था। लोगों ने बताया कि कॉलोनी में बच्चे भी बाहर की तरफ खेलते हैं और लोग वॉक भी करते हैं, लेपर्ड के मूवमेंट से दशहत हो गई है।

डिजिटल करेंसी में इन्वेस्ट के नाम पर 57.55 लाख की ठगी

- महिला से दुकानदार की पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर बिजली घर के पीछे रहने वाले एक दुकानदार को महिला ने डिजिटल करेंसी में मोटे मुनाफे का लालच देकर 57. 55 लाख की ठगी कर डाली। महिला से उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर हुई फिर व्हाट्सअप कॉल करने लगी। इसके बाद वह उसे झांसे में लेती गई और ठगी का शिकार बना डाला। पीड़ित ने अब प्रतापनगर सदर थाने में इस बाबत केस दर्ज करवाया है। पीड़ित बिजली कार्य की दुकान चलाता है।

थाने के सबइंस्पेक्टर देवाराम ने बताया कि इसमें प्रतापनगर बिजलीघर के पीछे रहने वाले हरिश कुमार पुत्र जेसाराम जीनगर ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दुकानदारी करता है। उसके मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर एक महिला सेजल अग्रवाल से पहचान हो गई थी। बाद में सेजल ने उसे डिजिटल करेंसी में इंवेस्ट करने पर बड़े मुनाफे की बात की थी। जिस पर हरिश कुमार ने 16 अप्रैल को पहली बार 14 हजार रूपए इन्वेस्ट किए थे, जिसके बदले में उसे तत्काल दो हजार का मुनाफा यानी 16 हजार रूपए दिए गए। इन रूपयों को उसने खाते से निकाल भी लिए। मगर बाद में सेजल ने उसे ज्यादा पैसे लगाने के लिए उत्प्रेरित किया और कहा कि ज्यादा लगाने पर ज्यादा मुनाफा होगा। इसके बाद वह 28 मई तक पैसे लगाता गया और कुल 57 लाख 55 हजार 491 रूपए लगा दिए। इतनी बड़ी रकम के बारे में पीड़ित हरिश कुमार ने बताया कि उसका मकान बिकने पर 25 लाख रूपए आए थे, बाकी वह उधार और इधर उधर से करके लाया था। आरोपी महिला सेजल अठावाल के साथ एक अन्य व्यक्ति भी इस फ्रॉड में शामिल है। सेजल खाता संख्या भेजती रहती थी। आखिर में जब रूपए लौटाने की बात आई तो आरोपियों ने कहा कि वे 17 लाख रूपए खाते में डालेगा तो उसे रकम मिल पाएगी। एसआई देवाराम ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है।

हज यात्रा कराने के नाम पर ठगी

जोधपुर, (कासं)। देवनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने परिवार के तीन सदस्यों को हज यात्रा करवाने के नाम पर रूपए ऐंठ लिए, मगर उसने हज यात्रा नहीं करवाई। रूपए वापिस मांगे जाने पर कुछ रूपए लौटाए, मगर बाकी रकम लौटाने से मना कर दिया। पीड़ित ने देवनगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि शांतिप्रिय नगर पाल लिंक रोड निवासी कबीर अहमद पुत्र अब्दुल अजीज ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दस दुकान के पीछे चौपासनी रोड पर अब्दुल मजीद नाम के शख्स से मिला था। अब्दुल मजीद ने कहा कि वह हज यात्रा करवा सकता है। इस पर परिवादी कबीर अहमद ने खुद की, पत्नी और बेटी की हज यात्रा के बारे में बात की थी। 31 जनवरी 2025 से 2 फरवरी 2025 तक हज यात्रा कराने के नाम पर उससे 1.58 लाख रूपए लिए गए।

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांकःन.प.दौ./2025/1217 दिनांक 04.06.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद दौसा द्वारा परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर परिषद एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यों की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
06	04.06.2025	14.06.2024 को 6:00 पीएम तक	16.06.2025 11:00 एएम तक	16.6.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526WSOB06810, DLB2526WSOB06811, DLB2526WSOB06812, DLB2526WSOB06813, DLB2526WSOB06815, DLB2526WSOB06818

राज.संवाद/सी/25/3759 आयुक्त, नगर परिषद, दौसा

RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.

(A Govt. of Rajasthan Undertaking), Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India,
Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in,
CIN : U24232RJ2011SGCO35067, E-mail : edpssrmsc@rajasthan.gov.in

Ref No. : F.02(192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/317 Dated :- 28/05/2025

Notice Inviting E-Bids

E-bids for rate contract cum empanelment for supply of following items are invited from eligible bidders:-

S. No.	Item Name/Description	Ref. No.	UBN	Estimated Value in Rs.	Last Time & Last date for bid submission
1.	Surgical And Suture Items	F.02 (192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/ Dated :- 28/05/2025	MSC2526GLRC00009	2.13 Cr.	26.06.2025 Up to 6.00 PM

Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://rmsc.health.rajasthan.gov.in and may be downloaded from there.

Executive Director (Procurement) RMSCL

Raj.Samwad/C/25/3752

बैंक मैनेजर से 28.77 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शातिर ठगों ने कार्गो मोटर्स राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी बनकर एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दे डाला। ठगों ने तीन ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 28 लाख 77 हजार रुपए खाते से उड़ा लिए। पीड़ित ने सायबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सायबर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचना केंद्र एचडीएफसी बैंक केंद्रीय ब्रांच में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत अभिषेक माहेश्वरी ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आया था। कॉलर ने कार्गो मोटर राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चेक बुक समाप्त होने और कंपनी के लेटर पैड पर राशि ट्रांजैक्शन का ई-मेल प्राप्त होने की जानकारी दी थी। पीड़ित ने बताया कि बैंक का मेल चेक करने पर कंपनी के लेटर पैड पर कंपनी के डायरेक्टर के सिग्नेचर मिलान होने या कंपनी के पूर्व रिकॉर्ड के आधार पर तीन ट्रांजैक्शन के जरिए 28.77 लाख का ट्रांजैक्शन कर दिया, लेकिन कंपनी का ओरिजिनल लेटर पैड प्राप्त नहीं हुआ और कंपनी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। उन्होंने किसी भी प्रकार के लेनदेन की जानकारी होने से मना कर दिया।

बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- चोरी की तीन बाइक जब्त, बदमाश चोरी की बाइक को पांच हजार में कबाड़ी को बेच देते थे

पाली, (निसं)। पाली में पुलिस ने बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की तीन बाइक भी जब्त की है। ये बदमाश चोरी के बाद बाइक को पांच हजार रूपए में कबाड़ी को बेच देते थे। फिर कबाड़ी पूरी गाड़ी को खोलकर सभी पार्ट्स अलग अलग करके बेचता था।

एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि पाली के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में 2 जून को श्यामलाल ने रिपोर्ट दी थी, जिसमें बताया कि उसका भाई नया गांव क्षेत्र में एक सैलून पर बाल कटवाने गया था। कुछ देर बाद वापस लौटा तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की। जांच के दौरान फुटेज की मदद से चोरों को लेकर सुराग लगा। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए बाइक चोरी के आरोपी पाली जिले के दूदौड़ (मारवाड़ जंक्शन) निवासी 24 साल के भीमाराम पुत्र जीवाराम, मारवाड़ जंक्शन के मुक्तिधाम के पास माली मोहल्ला में रहने वाले 27 साल के पुखराज उर्फ पपिया पुत्र जसाराम को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के आधार पर कबाड़ी का काम करने वाले मारवाड़ जंक्शन के ही महावीर नगर निवासी 31 साल के सुनील पुत्र कानाराम को गिरफ्तार किया।

50 बुलेट बाइकों के मोडीफाई साईलेंसर खोले

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस थाना राजगढ़ के सीआई राजेश कुमार सिहाग, एएसपी किशोरीलाल एवं आईपीएस अधिकारी निश्चय प्रसाद एम के नेतृत्व में राजगढ़ थाना पुलिस ने 50 बुलेट मोटरसाईकिलों के साईलेंसर हटवाये। सीआई राजेश कुमार सिहाग ने कहा कि स्कूल, कॉलेज के आगे एवं बाजार में बुलेट मोटरसाईकिलों से पटाखे जैसे आवाजें निकालने की आए दिन शिकायतें मिल रही थी, जिनमें कुछ आवारा किस्म के लोग जो बुलेट मोटरसाइकिलों के साईलेंसर मोडीफाई करवाकर स्कूल से छुट्टियां होती है तब बच्चों के आगे दौड़ना या बाजार में बड़ी स्पीड से पटाखे बजाना जैसी शिकायतें मिल रही थी। अभियान के दौरान करीबन 50 बुलेट मोटरसाइकिलों के साईलेंसर खोल चुके हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/2632 दिनांक :- 05/06/2025

निविदा सूचना संख्या अभियांत्रिकी/02/2025-26

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से दो कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSOB00003 & UJS2526WSOB00004 है। निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्तें इत्यादि वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। सचिव, नगर विकास न्यास, जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/3769

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांक : निविजा/2025–26/ई –10 दिनांक :– 04.06.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 10/2025–26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राषि रु0 110.60 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 05.06.2025 एवं अंतिम तिथि 16.06.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 17.06.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00038

राज.संवाद/सी/25/3777 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बरः (0141) 2227938, 2227710, 2227715, फैक्सः (0141)2227360, 2227761 Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 05/06/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/SBU&PC-Lignite/ GGM(Lignite)/Cont-06/ 2025-26 dated 04.06.2025 UBN No. MML2526SLOB00030	एसबीयू एवं पीसी लिग्नाईट, जयपुर (राजस्थान) में पेशेवर विशेषज्ञों (सीए/सीएमए फर्म) के माध्यम से वित एवं लेखा सेवाओं का कार्य। अनुमानित मूल्य (रू.) 15.60 लाख धरोहर राशि (रू.) – 31,200/–, निविदा राशि– 1180/– जी.एस.टी. सहित।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी–कॉन्ट्रेक्ट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/3722 उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

गंगा अपार्टमेंट, सेक्टर-26, फेज-II, प्रताप नगर, जयपुर RAJ/P/2025/3491 | गुलमोहर अपार्टमेंट, विलेज-सुखालपुरा, सेक्टर-05, रजतपथ, मानसरोवर, जयपुर RAJ/P/2025/3696 | लाखेरी, फेज-III, डिस्ट्रिक्ट -बूंदी RAJ/P/2023/2406 | हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -4, धौलपुर RAJ/P/2023/2354 | हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -5, धौलपुर RAJ/P/2023/2362

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

जो कल तक था सपना, आज बन सकता है अपना

अब केवल 5 दिन शेष !

राजस्थान आवासन मण्डल की 5 नई योजनाओं में आवेदन का अंतिम अवसर

« मूलभूत सुविधाएँ शामिल »

आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून 2025

पानी की सुविधा | बिजली की व्यवस्था | सुसंगठित सड़कें | सीवर प्रणाली | पार्किंग | हरित पार्क एवं ओपन स्पेस

आवेदन ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

जयपुर	गंगा अपार्टमेंट फेज-2, सेक्टर-26, प्रताप नगर, स्ववित्त पोषित (SFS)	आय वर्ग: HIG (S+10)
	गुलमोहर अपार्टमेंट, सेक्टर-05, मानसरोवर, स्ववित्त पोषित (SFS)	आय वर्ग: HIG (B+S+5) डबल पार्किंग
बारां	गजनपुरा आवासीय योजना (स्वंतत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS)	आय वर्ग: Gharonda, MIG-A, MIG-B, HIG
बूंदी	लाखेरी आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS)	आय वर्ग: HIG, MIG-A, MIG-B
धौलपुर	बाड़ी रोड आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) स्ववित्त पोषित (SFS)	आय वर्ग: MIG-B, HIG

« बुकलेट के लिए स्कैन करें »

Ganga Apartment | Gulmohar Apartment | Gajanpura House Scheme | Lakheri House Seceme | Badi Road Sector-04/05 Scheme

विस्तृत विवरण एवं ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरांत: 9461054291 / 92 / 319 एवं 9460254319, 6376868696 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन: 9828363615 से संपर्क करें।

आवासन आयुक्त

राज.सवांद/सी/25/3797

डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर्स सहित मेडिकल छात्र गिरफ्तार

नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामला

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इनमें डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर भी शामिल है और अन्य आरोपित मेडिकल छात्र है। जिसने परीक्षा पास करने के लिए साठ लाख

- **डॉक्टर सुभाष के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया**

रुपए में सौदा किया था। पुलिस फिलहाल पकड़े गए तीनों आरोपी डॉक्टर्स से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामले में कार्रवाई करते हुए डॉक्टर सुभाष सैनी (33) निवासी जैतपुरा चोमू, सचिन गोरा (22) और अजीत गोरा (30) निवासी लक्ष्मी विहार, कचौलिया चौमूं को गिरफ्तार किया है।आरोपित सचिन गोरा वर्तमान में एमबीबीएस फाइनल ईयर एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज का छात्र है।

जांच में सामने आया कि नीट परीक्षा में सचिन गोरा के जगह अजीत

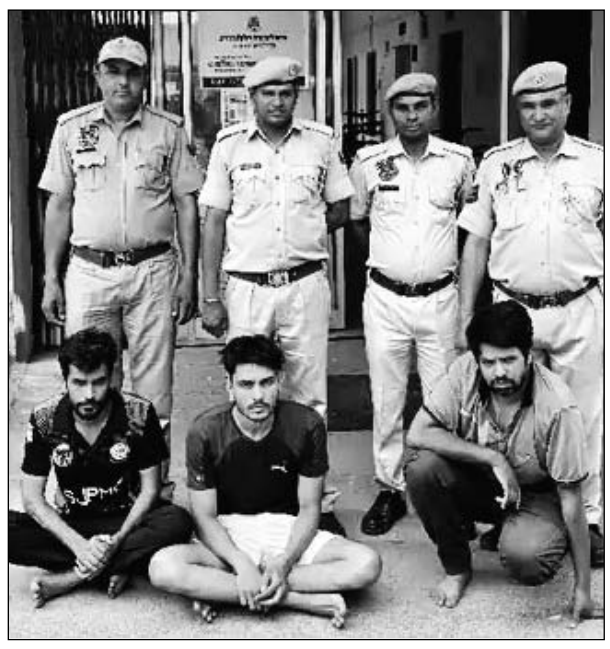

चौमूं पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

गोरा की फोटो लगाकर आवेदन किया गया था। सचिन गोरा के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा में 667 अंक हासिल किए थे। इसके आधार पर सचिन गोरा का एमबीबीएस के लिए जोधपुर एम्स में दाखिला हो गया था। सचिन गोरा ने कभी नीट परीक्षा दी ही नहीं।

एसीपी (चौमूं) अशोक चौहान ने बताया कि आरोपित सचिन गोरा ने साल-2020 में आयोजित नीट यूजी परीक्षा को पास करने के लिए डॉक्टर सुभाष सैनी से सम्पर्क किया। उस समय सुभाष सैनी आयु विज्ञान की डिग्री लेकर वर्तमान में कॉमन हेल्थ ऑफिसर के पद पर घाटवा में पदस्थापित है। डॉक्टर सुभाष सैनी के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया गया। सचिन की जगह परमिशन लेटर पर अजीत की फोटो लगाकर पास कराया गया। पूछताछ में सामने आया है कि साल-2013 में आरोपित सुभाष सैनी ने नीट पीजी में पास करवाने के एवज में 65 लाख रुपए लिए थे। करणी विहार थाना पुलिस ने साल-2013 में प्रकरण में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चौमू निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था। जहां जांच के दौरान पिछले 15 दिनों में कार्रवाई में एनटीए और संबंधित संस्थानों से रिकॉर्ड लिया गया था और परमिशन लेटर में भी सचिन की जगह अजीत के फोटो लगाकर एग्जाम देना सामने आया था। इसके अलावा जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज भरतपुर और एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज से भी आवश्यक रिकॉर्ड मांगा गया था। वहीं मामले के खुलासे में भरतपुर और जोधपुर पुलिस ने भी मदद की। जब जाकर इस मामले का खुलासा हो पाया।

थार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जयपुर। चाकसू थाना इलाके में नेशनल हाईवे-52 पर तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर 200 मीटर दूर गिरा। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

बेकाबू होकर थार डिवाइडर पर चढ़ गई। थार का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि थार का आगे का हिस्सा क्षितग्रस्त हो गया। हादसा टिगरिया चौराहे पर हुआ था। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें थार की टक्कर से बाइक सवार उछलता नजर आ रहा है।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि बाइक सवार युवक चाकसू से मंडालिया रोड की तरफ जाने के लिए हाईवे क्रॉस कर रहा था। इस दौरान जयपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार दूर जाकर गिरा, जबकि थार बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई।

हादसे के बाद लोगों ने चाकसू पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक सवार को एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है। पुलिस ने थार को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश कर रही है।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर सीएनजी गैस लीक से मची अफरा तफरी

बड़ा हादसा होने से टला

जयपुर। जयपुर-अजमेर हाईवे पर गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जहां भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ट्रक से सीएनजी गैस का रिसाव दस मिनट तक होता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को रुकवाया। वहीं समय रहते हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास पर सुनसान जगह ले जाया गया। जहां सीएनजी गैस रिसाव रोकने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

- **भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया**

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि हादसा गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि 1:15 बजे जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा में ओल्ड कार शोरूम के सामने हुआ था। जहां सीएनजी गैस के सिलेंडरों से भरा एक ट्रक भांकरोटा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कार शोरूम के सामने से जाते समय सिलेंडर का वॉल लीक हो गया। इससे सीएनजी गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव का पता चलने पर चालक ने तुरंत ट्रक को रोड किनारे रोक कर मामले की जानकारी पुलिस को दी। इधर पुलिस को सूचना देने के साथ ही हाईवे पर मौजूद अन्य ट्रक चालको की मदद से दोनों ओर का ट्रैफिक रोका गया। पुलिस सहित मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर ट्रक में कई सारे सीएनजी गैस सिलेंडर भरे हुए मिले।

ट्रक ले जाते समय रास्ते में मेन पाइप टूटने से सीएनजी गैस लीकेज के चलते रिसाव हो रहा था। जहां चालक ने सूझबूझ के चलते कपड़े से गैस के लीकेज को कम करने का प्रयास किया। पुलिस व फायर बिग्रेड कर्मियों ने हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास स्थित सुनसान जगह ले गए। वहां लीकेज पाइप लाइन को मशक्कत कर गैस रिसाव को रोका। इसके बाद पुलिस-प्रशासन सहित मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली गई। रिसाव से निकली सीएनजी गैस के हवा में आसनी से घुल जाने के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया।

फर्जी पीएम किसान ऐप से साइबर ठगी का नया जाल

जयपुर। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया साइबर जाल फैलाया जा रहा है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर किसान सम्मान निधि योजना की मोबाइल एप्लीकेशन होने का दावा करने वाला एक फर्जी लिंक या एपीके फाइल शेयर कर लोगों को फांस रहे है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को इस संबंध में सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि एडवाइजरी के अनुसार पीएम किसान रजिस्ट्रेशन एवं पीएम किसान योजना की फर्जी एपीके फ़ाइल व्हाट्सएप ग्रुप्स व अन्य माध्यमों से शेयर की जा रही है।

जागृति, संवाद एवं डॉन विषयों पर कार्यशाला एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर, 06 जून। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जयपुर महानगर-प्रथम के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के द्वारा चलाई जा रही जागृति, डॉन व आशा योजनाओं के संबंध में कार्यशाला एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम, कुंतल विश्नोई एडीएम 03, बृजमोहन मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, बबीता राजावत सहायक निदेशक शिक्षा विभाग, श्रीमान बी.पी चंदेल संयुक्त निदेशक समाज कल्याण विभाग, अनिता मुवाल सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग, इंदिरा शर्मा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहें। इस दौरान पवन जीनवाल द्वारा माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में चलाई जा रही जागृति (जस्टिस अवेयरनेस फॉर ग्रासरूट इनफार्मेशन एण्ड ट्रांसपेरेन्सी इन्सिएटिव), डॉन (ड्रग एवेयरनेस एण्ड वैलनेस नेविगेशन), आशा (जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्यवाही) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025 आदि के विषय में जानकारी दी।

पीजी कोर्स के बाद डॉक्टर्स सेवाएं नहीं दे तो दस लाख रुपए करें अदा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज सहित अन्य अन्य मेडिकल कॉलेजों से पीजी कोर्स करने के बाद सीनियर रेजिडेंट शिप नहीं करने से जुडे मामले में राज्य सरकार को उनके मूल दस्तावेज लौटाने को कहा है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता राज्य सरकार को यह अंडरटेकिंग दें कि यदि वे एसआरशिप ज्वाइन नहीं करेंगे तो दस लाख रुपए की बॉन्ड राशि का भुगतान करेंगे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. सैयद शाबाज सहित करीब दो सौ से अधिक याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। वहीं अदालत ने राज्य सरकार की पुनर्विचार अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मुद्दा खंडपीठ में लंबित चल रहा है। ऐसे में एकलपीठ इसमें आदेश पारित नहीं कर सकता।

याचिका में अधिवक्ता कुशाग्र शर्मा और पूर्व माथुर ने बताया कि पीजी कोर्स में प्रवेश के समय याचिकाकर्ताओं से दस लाख रुपए का बॉन्ड लिया जाता है कि यदि वे कोर्स के बाद दो साल तक राज्य सरकार को सेवा नहीं दें तो इस राशि का भुगतान राज्य सरकार के पक्ष में किया जाए। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं से उनके मूल दस्तावेज भी जमा करा लिए जाते हैं। याचिका में कहा गया कि मूल दस्तावेज रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं नेशनल मेडिकल कमिशन ने भी इस दस्तावेज रोकने की कोई व्यवस्था नहीं दी है। इसके अलावा हाईकोर्ट की एकलपीठ पूर्व में भी दस्तावेज जारी करने के निर्देश दे चुका है।

सार-समाचार

राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को की एफ.आई.आर. क्वेस (खत्म) करवाई

जयपुर। आमेर पुलिस थाने में परिवादिया ने एक एफ.आई.आर. सं. 552/2022 दिनांक 24/11/2022 को धारा 376 (2) (एन) 506 आई पी सी और 3,4,5 (प्रथम), 6, पोस्को और सैक्शन 66 डी, 67 आई. टी. एक्ट में दर्ज करवाई जिस पर अभियुक्त की जमानत राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर से एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने करवाई थी इसके बाद पुलिस ने जुर्म प्रमाणित मानते हुए स्पेशल पोस्को कोर्ट संख्या 2 जयपुर महानगर-द्वितीय जयपुर चलान पेश किया इसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल फागी ने राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर में उक्त एफ.आई.आर. को खत्म करवाने के लिए 482 की कार्यवाही करी जिसमें राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को कोर्ट की प्रोसेडिग को स्टे किया और उसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने उक्त एफ.आई.आर. को राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर के न्यायिपति अनूप कुमार ढंड से विवाह के राजीनामे के आधार पर खत्म करवाई।

हाई मास्क लाइट का उद्घाटन

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड नंबर 31 के अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया रोड झोटवाड़ा थाना के पास हाई मार्क्स लाइट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं जोधपुर संभाग के प्रभारी विक्रम सिंह जी शेखावत के द्वारा साइन कल 7:00 बजे स्विच ऑन कर किया गया। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादूराम जी दुलारिया के प्रयासों की उपस्थित सभी लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की इस अवसर पर पार्षद लियाकत अली ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन एवं उनकी कार्यकारिणी के सदस्य पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कैलाश शर्मा गुरुजी लक्ष्मण सिंह जी जोधा रामकुमार जी शर्मा मंजू शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस जनों ,वार्ड के निवासियों ने भाग लिया वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादू राम दुलारिया जी ने उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों का मलयार्पण कर एवं सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

परिंदों के लिए परिण्डे बांधे

जयपुर। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन के बैंक कर्मचारी नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस व तारक दा जन्म शताब्दी अवसर पर राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाईज यूनियन के चेयरमैन आर जी शर्मा, सचिव महेश शर्मा, उप महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा , एम एस भटेजा , रविदीप चतुर्वेदी , रवि कटारिया ,बनवारी लाल, दिलीप जादम पदाधिकारियों के साथ बैंक कर्मियों व महिला विंग संयोजक मेघा मलिक, शिखा बंसल के साथ विभिन्न बैंकों की महिला कर्मियों ने विजयाराजे सिन्धिया पार्क मानसरोवर में अशोक , पीपल व जामुन के पोधें लगाकर वृक्षारोपण किया, साथ ही पक्षियों के लिए दाना- पानी के परिण्डे बांधकर उनमें दाना डाला गया। लगाए गए पेड़ो की देख भाल सम्हाल के लिए पार्क के माली की सेवाएँ सुनिश्चित की गई। एआईबीईए के स्वर्गीय महासचिव तारकेश्वर चक्रवर्ती की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे वर्ष देश के सभी राज्यो में सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्यक्रम होंगे आमेरा ने बताया कि देश के बैंक कर्मियों का सबसे पुराना 20अप्रैल 1946 व सबसे बड़ा एकमात्र संगठन है जो बैंक व बैंककर्मियों की सुरक्षा , समृद्धि व संरक्षण के साथ साथ देश -दुनिया में प्राकृतिक आपदा सुनामी से बाढ़ भूकम्प में व कोविड से लेकर युद्ध काल तक में तन -मन-धन से सभी सामाजिक सरोकारों में अपनी राष्टवादी भूमिका पूरी शिद्दत से निभाता आया है ।

'शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान नहीं करें मिटिंग,ना ही जारी करे कोई आदेश'

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान से जुडे मामले में कहा है कि वह निर्वाचित प्रधान नहीं है और उन्हें राज्य सरकार ने इस पद का कार्यभार सौंपा है। ऐसे में वे कोई भी बैठक आहूत ना करें। वहीं अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्णय भी नहीं लेने को कहा है। अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन और अवकाशकालीन न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश मंजू देवी शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता शाहपुरा पंचायत समिति की वार्ड संख्या 15 से सदस्य निर्वाचित हुई थी। वहीं बाद में सभी वार्ड सदस्यों ने उसे प्रधान के रूप में चुना था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने शाहपुरा नगर परिषद के क्षेत्र का विस्तार करते हुए इसमें याचिकाकर्ता के वार्ड को भी शामिल कर लिया। वहीं बाद में उसे यह कहते हुए वार्ड सदस्य पद से हटा दिया

- **अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं**

कि अब वार्ड का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। इसके बाद गत 15 मई को याचिकाकर्ता से प्रधान पद का कार्यभार लेकर उसे पंचायत समिति के वार्ड नंबर 9 की सदस्य पिस्ता देवी को सौंप दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि उसका वार्ड सदस्य के रूप में अलग चुनाव हुआ था और बाद में प्रधान पद के लिए अलग से मतदान हुआ था। ऐसे में वार्ड का अस्तित्व समाप्त होने के आधार पर उसे प्रधान पद से नहीं हटाया जा सकता। इसलिए दूसरे वार्ड सदस्य को सौंपा गया कार्यभार का आदेश रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कार्यवाहक प्रधान को बैठक आहूत करने और किसी भी तरह का निर्णय लेने पर रोक लगा दी है।

सद्भावना के सिपाही संगठन की आम सभा आयोजित

जयपुर । सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आयोजित कैलाश शर्मा (गुरूजी) अध्यक्ष और अजय सक्सेना कार्यकारी अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित सद्भावना और सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आज सादगी और उत्साह के साथ आयोजित की गई। संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा के नेतृत्व में संचालित इस संगठन की बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। आम सभा में सर्वसम्मति से वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश शर्मा (गुरूजी) को जिला अध्यक्ष तथा एडवोकेट अजय सक्सेना को कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने संगठन के संस्थापक स्व. सुनील दत्त की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश शर्मा (गुरूजी) एवं कार्यकारी अध्यक्ष अजय सक्सेना को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और सकारात्मक बदलाव लाना है।

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन 25 से 27 जुलाई तक

जयपुर। विगत तीन वर्षों से जयपुर में डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता ने अपने म्यूजिकल मैचों की अनूठी संकल्पना के चलते अब तक बहुत सराहना बटोरी है।

डी एम पी एल के संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि सफलता के इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी 25 से 27 जुलाई तक के चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा। लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग डॉक्टर्स द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित होने वाली अनोखी गायन प्रतियोगिता है, जहाँ दिन में चिकित्सकीय कौशल दिखाने वाले करीब 200 डॉक्टर्स शाम को अपने सुरों का कौशल दिखाएँगे।

लीग के चीफ कोऑर्डिनेटर डा. हरीश भारद्वाज ने बताया की प्रतियोगिता की रूपरेखा तय हो चुकी है, लीग में टीम इवेंट्स के अलावा व्यक्तिगत प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में एकल व युगल गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन 6 जुलाई को किया जाएगा।

प्रतियोगिता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हर्षुल टाक व डॉ रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि, प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइजी टीमें भाग ले रही हैं जो कि खुले ऑक्शन के माध्यम से डॉक्टर-गायकों का चयन कर अपनी-अपनी टीमें बनाएँगी। टीमों का ऑक्शन 13 जुलाई को आयोजित किया जायेगा।

- **चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा**

आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने जानकारी दी कि, पिछले साल की तरह इस बार भी का आयोजन जयपुर में झालाना स्थित, राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर में किया जायेगा। डॉ अनिल ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आठ अस्पतालों की टीमें निम्न प्रकार होंगी। टीम सीता देवी अस्पताल, कृष्णा, आँगन मेडिनोवा, निविक, पिंक स्टार, कार्डियो-बज़, सेवायतन व टीम ए एल सी एस - एस आर के अस्पताल। इस वर्ष नवाचार के तहत ओपन माइक इवेंट में स्टैंडअप कॉमेडी, शायरी व मिमिक्री आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे।

कृषक नवीन तकनीकी को अपनाकर वैज्ञानिक तरीके से करे खेती : राजन विशाल

जयपुर । शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा संचालित हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा में कृषक अशोक निठारवाल के खेत पर स्थापित ग्रीन हाउस, फार्म पोण्ड , ड्रिप संयंत्र तथा अन्य

- **शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया**

उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।

शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया। कृषकों द्वारा उद्यानिकी

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का दौरा किया।

विकास की गतिविधियों का लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा किसानों को ग्रीन हाउस में फसल विविधिकरण के तहत खीरा फसल के अलावा शिमला मिर्च, कटफ्लोवर (डचरोज), ब्लैकबेरी आदि फसले लेने हेतु प्रेरित किया गया ताकि किसानों को अधिक आर्थिक लाभ हो। गोष्ठी में किसानों से ग्रीन हाउस के आर्थिक मूल्यांकन पर भी चर्चा की गई।

राजन विशाल ने कृषक भैरूराम थाकण द्वारा गर्मी में बोये गये खीरें के खेत एवं कटफ्लोवर (डचरोज) के खेत का भ्रमण किया तथा कटफ्लोवर (डचरोज) के विपणन के बारे में किसानों को स्थानीय होटल व्यवसायियों से सम्पर्क कर विपणन किये जाने की सलाह दी। कृषक भैरूराम थाकण, ग्राम बसेडी के खेत पर ही स्थापित पी.एम.कुसुम कम्पोनेन्ट 'बी' के तहत सौर उर्जा पम्प संयंत्र का निरीक्षण किया। शासन सचिव द्वारा सभी किसानों को संरक्षित खेती के तहत उत्तरोत्तर वृद्धि किये जाने हेतु उद्यानिकी की नवीनतम तकनीकी अपनाते हुये वैज्ञानिक तरीके से खेती किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। किसानों द्वारा डचरोज को लम्बे समय तक संरक्षित रखने हेतु कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने की मांग की गई। किसानों की मांग पर शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनान्तर्गत कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। अत: कृषक इस हेतु आवेदन कर अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है ताकि कृषकों को डचरोज के विपणन में कोई असुविधा न हो। उक्त भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेषक उद्यान प्रदीप कुमार अग्रवाल, संयुक्त निदेषक उद्यान (मु0) दानवीर वर्मा एवं उप निदेषक उद्यान दुर्गापुरा, जयपुर, हरलाल सिंह बिजारनियाँ उपस्थित रहे।

राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को धर-दबोचा

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों

- **पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा, करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है।**

को धर-दबोचा है। साथ ही पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के दौरान रेंटल कारों का उपयोग करते है। पुलिस पूछताछ में अब तक आधा दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

उन्होंने पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा,करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के लिए रेंटल पर गाड़ी लेते है और रात के समय गाडी में सवार होक सुनसान जगहों से गुजर रहे राहगीरों को पता पूछने के बहाने रूकवाकर उन्हें जबरन गाडी में बैठा कर उनके साथ मारपीट कर उनसे नकद राशि,आभूषण एवं मोबाइल सहित अन्य सामान लूट लेते है और साथ ही फोन पे के पासवर्ड प्राप्त कर खाते से जमा रुपये की अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

जोगेश्वर गर्ग ने नून हवाई पट्टी का निरीक्षण किया

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शुक्रवार को नून हवाई पट्टी का निरीक्षण किया।

राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुसरण में 9 करोड़ की लागत से नून हवाई पट्टी पर सुदृढ़ीकरण, उन्नयन व सुविधा विकास के कार्य किये जाने हैं। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि नून हवाई पट्टी पर 65 हैक्टेयर भूमि है तथा इतनी ही भूमि आरक्षित रखी गई है। इसमें 5 हजार फीट लंबी नून हवाई पट्टी को 1 हजार फीट और आगे बढ़ाया जायेगा और हवाई जहाजों के खड़े रहने के लिए हैंगर इत्यादि का निर्माण किया जायेगा। साथ ही यहाँ पर यात्रियों के लिए वेटिंग लॉन्ज, बुकिंग काउंटर, सिक्युरिटी चैकिंग, स्टाफ क्वाटर्स का भी निर्माण किया जाना है। उन्होंने बताया कि हवाई पट्टी क्षेत्र के चारों ओर 7 फीट ऊँची बाउण्ड्री वॉल विद फेन्सिंग तैयार की जाएगी। जिससे नून हवाई पट्टी को रेग्युलर फ्लाइट्स उतरने के लिए राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा सकें। उन्होंने बताया कि यहाँ फ्लाईंग स्कूल भी स्थापित की जायेगी। उन्होंने पब्लिक यूटिलिटी व आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में किया जावें।

इस अवसर पर जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, जालोर प्रधान नारायणसिंह राजपुरोहित, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रमेश सिंगारिया, पुखराज विराणा आदि उपस्थित रहे।

जालोर के पास नून हवाई पट्टी का निरीक्षण मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

लवकुश वाटिका का अवलोकन

इससे पूर्व जोगेश्वर गर्ग ने गुरूवार सायंकाल वन विभाग की नवनिर्मित लवकुश वाटिका कालाघाटा, रणछोड़ नगर जालोर का अवलोकन किया ।

मुख्य सचेतक जोगोश्वर गर्ग ने नवनिर्मित लवकुश वाटिका में बनाई गई जिप लाईन एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूलों एवं फिसल पट्टियों क सराहना करते हुए वन विभाग के अधिकारियों को वाटिका के प्रचार-प्रसार करने तथा जालोर शहर के नजदीक प्रकृति के बीच बनी इस वाटिका को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचेतक ने वाटिका में बनाए गए प्रकृति पथ, 4 गजीबो हट, प्राकृतिक एनिकट, आगंतुकों के लिए बैठने के बैंजेच एवं लव कुश की बनाई गई मूर्तियों का अवलोकन किया। वन विभाग के कार्मिकों द्वारा जिप लाईन का उपयोग करके दिखाया।

उप वन संरक्षक जयदेवसिंह चारण ने जानकारी देते हुए कहा कि गत वर्ष लव कुश वाटिका में 1500 पौधे लगाए गए थे तथा गुरूवार को 100 पौधों का रोपण किया गया। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने लव कुश वाटिका परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उपस्थित लोगों को अधिकाधिक वृक्ष लगाने की बात कही।

इस अवसर पर कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, उप वन संरक्षक जयदेव चारण सहित वन विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

हादसों में घायल तीन जनों की मौत

जोधपुर, (कासं) । कमिश्नरेट के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, राजीव गांधी नगर तथा बनाड़ थाना क्षेत्र में हुए हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि मूलत: गोरखपुर उत्तरप्रदेश हाल पाल डीपीएस सर्किल क्लासिक एकेडमी के पीछे रहने वाले गोविंद पुत्र फू लचंद भारती ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका साला 29 वर्षीय महेश कुमार पुत्र रामसेवक यहां घर की सीढ़ियां उतरते वक्त नीचे गिर गया। घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर वह बच नहीं पाया। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

इधर राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि बालेसर के पृथ्वीराज नगर निवासी कैलाश मेघवाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई 19 वर्षीय राजूराम यहां जोधपुर में लहरिया रिसोर्ट के सामने एक मकान पर सैनेट्री का काम कर रहा था। तब उसे करंट लग गया। जिस पर वह बुरी तरह झुलस गया। उसे उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया, बाद में मौत हो गई।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश के आगर स्थित गंगापुर का रहने वाला पीरूराम पुत्र बगदूराम मालवीय 25 अपे्रल को बनाड़ चौराहा के पास में सडक़ हादसे में घायल हो गया था। तब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर उसकी गुरूवार को मौत हो गई। इस बारे में निजी अस्पताल के सुपरवाइजर उज्जैन के अंकित मरमट की तरफ से दुर्घटना की रिपोर्ट दी गई।

जालोर नागरिक बैंक के नवीन भवन में कार्य शुरू

जालोर के राजेन्द्रनगर रोड स्थित नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवनिर्मित भवन का शुभारम्भ किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड का नवीन भवन राजेन्द्र नगर जालोर क्लब के पास शुक्रवार को प्रधान कार्यालय के विभागों का संचालन प्रारम्भ कर शुभारंभ किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमानन्द भट्ट ने बताया कि भवन के शुभारंभ के अवसर पर पूजा व हवन का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक के अध्यक्ष मोहन पाराशर, सहकारी विभाग के उप रजिस्ट्रार सुनील वीरभान, उपाध्यक्ष ललीत कुमार दवे, तथा संचालक मंडल के सदस्य मोहनलाल परमार, कनीष चौधरी, मोहम्मद इंसाफ बैग एवं पूर्व संचालक नारायण लाल भट्ट सहित बैंक के महाप्रबन्धक पोसाराम प्रजापत, अधिकारी देवेन्द्र त्रिवेदी, नेनाराम सुथार, धीरज कक्कड़, भगवानदास, अनिल जोशी, प्रमोद दवे, लक्ष्मण प्रजापत सहित बैंक के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

डॉ. उपाध्याय की साहित्यिक सृजन यात्रा पर चर्चा की

मदन-सावित्री डागा साहित्य भवन में शब्दरंग संस्था की ओर से आयोजित सृजन यात्रा की परिचर्चा प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय पर केन्द्रित रही।

जोधपुर, (कासं) । मदन-सावित्री डागा साहित्य भवन में शब्दरंग संस्था की ओर से आयोजित सृजनयात्रा की परिचर्चा प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय पर केन्द्रित रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसाार आकाशवाणी जोधपुर के पूर्व केन्द्र निदेशक और साहित्यकार डॉ. कालूराम परिहार बतौर मुख्य वक्ता थे जबकि विशिष्ठ अतिथि डॉ. पद्मजा शर्मा थी। उपाध्याय के काव्य संठाह की विवेचना करते हुए कहा दोनों वक्ताओं ने कहा कि कवि को सृष्टा होने से पहले दृष्टा होना होता है, तब ही शब्द की ताक़त से कविताओं में भय, चिन्ता, समस्याएं, संघर्ष, प्रेम, करूणा, सच्चाई, उमंग, हार-जीत, आस्था, विश्वास आदि के दर्शन होते हैं जो कि उपाध्याय की कविताओं में उभरकर सामने आते हैं।

साहित्य एवं रंगमंच की संस्था शब्दरंग की अध्यक्ष सुश्री रेणुका श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था व अतिथियों का अभिनन्दन किया तो अन्त में मुख्य अतिथि डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय ने अपने रचना यात्रा के वृतान्त में बताया कि बनारस विश्वविद्यालय से विद्या अध्ययन के दौरान ही विद्वजनों के प्रभाव से साहित्य सृजन में क़दम रखा।

उन्होंने कहा कि कविता लेखन के लिये पठन आवश्यक है, कविता केवल रंजन के लिये नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों की स्थापना करती है। हर लिखी चीज़ कविता नहीं होती जब तक उसमें आत्म सन्तुष्टि का भाव उद्वेलित ना हो। कविताओं में द्वन्द की चिंगारियां और बिजली की कौंध कब, कहां और कैसे निकलती है कोई नहीं जानता। अपने उद्बोधन के बाद उपाध्याय ने चुनिन्दा कविताओं का वाचन भी किया।

इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातनाम शाइर पद्मश्री शीन काफ़ निज़ाम, हबीब कैफ़ी, मीठेश निर्मोही, मोहनदास वैष्णव, प्रमोद वैष्णव, कमलेश तिवारी, मनीषा डागा, दीप्ती कुलश्रेष्ठ, किशोरी लाल रैगर, सत्येन्द्र छिब्बर, राकेश मूथा, हरि प्रकाश राठी, अशफाक़ अहमद फ़ौजदार, नवीन पंछी, आशा पाराशर, रामकिशोर फिड़ौदा सहित साहित्यकार, रंगकर्मी तथा शिक्षाविद् उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन मधुर परिहार ने किया तथा डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी, आरोपी भागा

जोधपुर, (कासं) । चांदणा भाखर स्थित राजीव गांधी कॉलोनी में रहने वाले एक युवक को शेयर बाजार में इंवेस्ट करने के नाम पर 6.75 लाख की ठगी का शिकार बनाकर आरोपी भाग गए। पीड़ित ने अदालत की शरण ली और इस्तगासे के माध्यम से रातानाडा थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने पांच लोगों को नामजद कर अब जांच आरंभ की है।

पुलिस के अनुसार राजीव गांधी कॉलोनी चांदणा भाखर गली नंबर 5 निवासी त्रिलोक कुमार पुत्र रतनलाल प्रजापत ने यह रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि बाड़मेर के नेहरू नगर निवासी ओमप्रकाश, हनुमानगढ़ के पीलीबंगा निवासी वकील सिंह, उत्तरप्रदेश के वैरोना देओरिया निवासी जावेद अंसारी, चूरू जिले के काकलासर का बजरंगलाल एवं देहरादून उत्तराखंड के मोहित सैनी ठगी ने ठगी की है।

रिपोर्ट के अनुसार परिवादी त्रिलोक कुमार के किसी परिचित द्वारा एक कम्पनी ट्रेड ईलेवन फायर डॉट कॉम के बारे में बताया गया था, जिसका सेमिनार उक्त लोगों द्वारा नवम्बर 2023 एवं 11 फरवरी 2024 को एक होटल में किया गया था। जिसके अनुसार कम्पनी सदस्य बनाकर रूपए नियोजित करवाती थी। कम्पनी द्वारा शेयर्स मार्केट में रूपए नियोजित करवा कर बड़ा मुनाफा दिलवाया करती थी।

परिवादी को बताया गया कि उसका पैसा एक वर्ष में दोगुना कर लौटाया जाएगा। इस झांसे में आए त्रिलोक राम ने अलग-अलग समय पर नकद व ऑनलाइन माध्यम से 6 .75 लाख रूपए कम्पनी में निवेश कर दिए। आरोपियों द्वारा कम्पनी का एक अधिकृत कार्यालय फ्लेट संख्या 101, दासपा हाउस, रातानाडा में था।

गोचर में रह रहे परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित

ग्राम पंचायत मांडोली के राजस्व ग्राम भूतवास में गैर मुमकिन गोचर श्रेणी में परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने को लेकर ग्रामीण जालोर कलैक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट ग्राम पंचायत मांडोली के राजस्व ग्राम भूतवास में खसरा नंबर 32, 35 और 37 पर एससी-एसटी वर्ग के लोग वर्षों से निवास कर रहे हैं। यह भूमि गैर मुमकिन गोचर श्रेणी में दर्ज है। इन परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामवासियों ने भूमि को आबादी भूमि में बदलने की मांग की है। पहले भी प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा जा चुका है। गोचर की क्षतिपूर्ति के लिए भूतवास के सिवायचक खसरा नंबर 119/297 और 227 में भूमि उपलब्ध है। 23 अप्रैल 2025 को ग्राम पंचायत मांडोली में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर समस्या से अवगत कराया था। इसके जवाब में कलेक्टर ने मौखिक रूप से निर्देश दिया था कि निवासी परिवार 1985 से पहले के भूमि संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करें। ग्रामीणों ने वह दस्तावेज जिला प्रशासन को सौंप दिए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द भूमि का दर्जा बदला जाए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

प्रथम ध्वजा एवं वर्षगाठ महोत्सव समारोह संपन्न

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकटवर्ती हिम्मतपुरा श्री गोगाजी कृषि फार्म स्थित श्री गोगाजी महाराज मंदिर की प्रथम ध्वजा एवं वर्षगाठ महोत्सव समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समारोह की पूर्व संध्या पर भजन संध्या एवं रमेल का आयोजन हुआ जिसमें सैकडो लोगो ने भाग लिया।

श्री गोगाजी कृषि फार्म हिमतपुरा में आयोजित समारोह में योगीराज मंहत तपतगिरी महाराज, साध्वी संध्यागिरी महाराज गोलाणा, मफतलाल माली (भोपाजी) कलापुरा का पावन सानिध्य रहा साथ ही रेवदर आबूरोड विधायक मोतीराम कोली किसान निम्बज राजसायबोसा भवानी सिंह देवडा निम्बज ठाकुर मोहन सिंह देवडा नेता किसान संघ संभाग मंत्री सुजानसिंह वडवज अतिथि रहे।

जशवनपुरा भाजपा पर्व महामंत्री भगवानसिह चेकला, हिरसिंह किबला, भाजपा नेता रामसिंह धुरपडा, भगवान सुथार अनोपसिंह वडवज पने सिंह हिराराम देवासी जेनतीलाल राजपुरोहित हिरसिह राजपुत वडवज अनोपसिंह परियार वरिष्ठ पत्रकार ईश्वर लाल सैन जशवनपुरा सहित निम्बज केशुआ वडवज अनापुर सिरोही जालोर क्षेत्र के श्रद्धलुओं सहित सैकडों ग्रामीण उपस्थित रहे।

अभद्रता का आरोपी डॉक्टर ए.पी.ओ.

पाली, (निसं)। पाली जिला कांग्रेस की महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष रेखा परिहार के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोपी डॉक्टर रमेशचंद्र को सीएमएचओ डॉक्टर विकास मारवाल ने एक आदेश जारी कर शुक्रवार को एपीओ किया।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस की पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा परिहार को बीपी की तकलीफ हुई तो वह अपने भाई और अन्य रिश्तेदार के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बूसी में गुरुवार रात को पहुंची, जहां कार्यरत डॉ. रमेश चन्द्र, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंगकर्मी ने अभद्र व्यवहार और गाली-गलौच की और इलाज नहीं किया। इसको लेकर वीडियो भी सामने आया। रात को रानी थाना पुलिस की बुलाया गया और उनकी गाड़ी दिलवाई गई तब जाकर वे इलाज के लिए पाली पहुंचे। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा कांग्रेस रेखा परिहार का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस नेता चुन्नीलाल चाड़वास, महबूब टी आदि पहुंचे और मामले में शुक्रवार को जिला कलेक्टर मंत्री को ज्ञापन सौंपा और दोषी डॉक्टर और नर्सिंगकर्मी के खिलाफ करवाई को लेकर ज्ञापन दिया। इस मौके बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। जिसमें डॉ. रमेश चन्द्र, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बूसी को 5 जून की रात्रि में महिला मरीज व उनके परिजनों के साथ किए गए गाली-गलौच, अभद्र व्यवहार को लेकर उनका मुख्यालय संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, जोन जोधपुर कार्यालय किया। डॉ. रोहिताश बाहरठ को अग्रिम आदेशों तक चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, सामुदायिक स्वा. केन्द्र बूसी का दायित्व दिया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान आयोजित

काजरी कृषि विज्ञान केंद्र जोधपुर एंव कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन चामू, मंडोर, पीपाड़ सिटी में किया।

जोधपुर, (कासं)। काजरी कृषि विज्ञान केंद्र जोधपुर एंव कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन चामू, मंडोर, और पीपाड़ सिटी में किया गया इसमें किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। काजरी कार्यकारी निदेशक डा. सुमन्त व्यास ने कहा कि गावों में कृषि तकनीकी हस्तांतरण को गति प्रदान की जायेगी ताकि कृषि उत्पादन बढे एवं आमदनी ज्यादा हो । संस्थान द्वारा किसानों को पूरा सहयोग एवं सुविधाऐं प्रदान की जायेगी ।

केवीके अध्यक्ष, डॉ. बीएस राठौड ने किसानो को नवीन तकनीकी एवं बकरी पालन को वैज्ञानिक विधि से अपनाकर आय बढ़ाने के बारे में जानकारी दी । विभागाध्यक्ष डा. एसपीएस तंवर डा. आरके कांकाणी डा. रितु मावर, डॉ कुलदीप जादौन एवं डॉ अर्चना वर्मा ने एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जोधपुर के विभिन्न ब्लॉको में वृक्षारोपण किया वैज्ञानिकों ने किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, संरक्षित खेती, आधारित पोषण वाटिका, उन्नत बीज की किस्मों मृदा स्वास्थ्य और वर्षा जल प्रबंधन के बारे में बताया।

जिले के 3 ब्लाक के चामू, मंडोर, और पीपाड़ सिटी में 3 तकनिकी टीमों के केवीके विषय विशेषज्ञ आरआर मेघवाल, चंदना एमआर एवं ऐ मौनिका तथा कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारी पुरखा राम, राजेन्द्र सिंह नरुका, एवं श्रीराम बैरवा ने योजनाओं की जानकारी दी किसानों ने कहा कि साल भर खेती से पैसा मिलता रहे इसके लिए कृषि की तकनीकियों एवं मॉडल को अपनायेंगें। उन्होंने आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रमों में कुल 1732 किसानो ने बढ चढकर भाग लिया।

निर्जला एकादशी पर जल विभाग ने की जल सेवा

बालोतरा, (निसं)। ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर, जब भीषण गर्मी अपने चरम पर है। जल विभाग ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जनसेवा करने की अपनी परंपरा को निभाते हुए विभिन्न स्थानों पर जल सेवा शिविरों का आयोजन किया। इस पहल से आम राहगीरों को तपती धूप और प्यास से काफी राहत मिली।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज भुवन ने बताया कि शु वार को जिला मुख्यालय पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 10 जगहों पर जल सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि शहर के मुख्य चौराहों, बस स्टैंडों और भीडभाड वाले इलाकों में जल विभाग के कर्मचारियों ने शीतल जल के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे लोग अपनी प्यास बुझा सकें। यह सेवा सिर्फ धार्मिक आस्था का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी पर जल का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है और लोग बिना पानी के व्रत रखते हैं। जल विभाग का प्रयास आम जनता को राहत पहुंचाने में सहायक सिद्ध हुआ।

क्रिकेट का फाइनल आज

जालोर के सिलावटान मोहल्ला में रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का मैच हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर स्थित सिलावटों का मोहल्ला किले की घाटी जालौर में चिल्ला ए मलिक सा दातार के वसी मैदान में सिलावटान प्रीमियर लीग सीजन 4 रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज गुरुवार की रात्रि शहजाद खान सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, पूर्व पार्षद अयूब शेख, समाजसेवी रहमान खान, समाजसेवी मुश्ताक खान एवं, पूर्व पार्षद अफरोजा बानो के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता के प्रभारी असलम खान डी एवं मोहसिन खान ने बताया कि सिलावट समाज की क्रिकेट प्रतिभाओ को तराशने के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसमें समाज की कुल 21 टीमें भाग ले रही है। जिसमें 15 सीनियर वर्ग और 6 जूनियर वर्ग है, प्रतियोगिता 3 दिन तक चलेगी। प्रतियोगिता का फाइनल शनिवार को खेला जाएगा।

मैच के प्रारंभ में अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय कर मैच की शुरुआत करवाई गई।

उद्घाटन मैच सिलावट स्टॉक क्लब एव वसीम वॉरियर्स के बीच खेला गया। जिसमें स्टॉक क्लब विजेता रहा। प्रतियोगिता का आयोजन असलम खान डी, मोहसिन खान एम, मुफ्ती मोहम्मद जीशान अली द्वारा किया जा रहा है। अतिथि शहजाद खान ने कहा की खेल से मानसिक व शारीरिक, बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। हमेशा खिलाडी को खेल की भावना से खेलना चाहिए । रात्रि कालीन प्रतियोगिता को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है और काफी संख्या में दर्शक मैच देखने के लिए आ रहे है।

इमरान खान, सिराजुद्दीन खान, अरशद खान, अल्ताफ खान, हबीब रहमान, वसीम अकरम, शाहनवाज खान, इरफानखान, रफीक खान, शहजाद ह्यद्य,, बंटू हब्शी सहित समाज के काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

योग दिवस पर नाकोड़ा में कार्यक्रम

बालोतरा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाला जिला स्तरीय कार्यक्रम इस बार प्रमुख पर्यटक स्थलो पर होगा।

नोडल अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि बालोतरा जिले में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम नाकोडा तीर्थ स्थल पर आयोजित किया जाएगा। इस हेतु आयुर्वेद विभाग एवं जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है।

उन्होंने योग दिवस को सफल बनाने के लिए सभी आमजन से अनुरोध करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करके कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित होवे।

मैं कोई खास शैली नहीं अपनाना चाहता। मुझे खिलाड़ियों के साथ बात करना पसंद है उन्हें सुरक्षित महसूस कराना। एक कप्तान के तौर पर खिलाड़ियों के सात रिश्ता बनाना मेरे लिए अहम है। जब खिलाड़ी सुरक्षित होंगे तभी वे अपना 100 प्रतिशत देंगे। **– शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, टेस्ट कप्तान बनने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ऋषभ पंत

रोहित और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना भारतीय टेस्ट टीम शुक्रवार सुबह इंग्लैंड के लिए रवाना हुई, जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में न सिर्फ टीम की बल्लेबाजी और रणनीति की परीक्षा होगी, बल्कि ये भी देखना दिलचस्प होगा कि रोहित की कप्तानी और उनकी मौजूदगी की कमी को युवा खिलाड़ी कैसे भर पाते हैं। टीम के रवाना होने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी। नए टेस्ट उप कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत जो अपनी चुलबुली और बिंदास अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

बेंगलुरु भगदड़ का आरोपी निखिल सोसाले? कोहली-अनुष्का के साथ आ चुका है नजर

बेंगलुरु, 6 जून। आरसीबी ने पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचा। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत की खुशी उस समय मातम में बदल गई जब 4 जून को बेंगलुरु में आयोजित विजय परेड से पहले भगदड़ मचने से 11 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। इस दुखत हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। वहीं अब पुलिस ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी करते हुए आरसीबी की मार्केटिंग टीम के हेड निखिल सोसाले को हिरासत में लिया। उनके साथ इवेंट मैनेजमेंट कंपनीके तीन कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया।

बता दें कि, 3 जून 2025 को आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम किया। बेंगलुरु में फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को एक भव्य विजय परेड का आयोजन होना था। शुरुआत में इसे ओपन बस परेड के रूप में प्लान किया

गया था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। परेड से पहले ही भारी भीड़ बेकाबू हो गई और देखते ही देखते भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।वहीं इस हादसे के बाद आरसीबी मैनेजमेंट, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और बीसीसीआई ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब कर्नाटक हाईकोर्ट ने दखल दिया और 10 जून तक इस हादसे की पूरी रिपोर्ट मांगी। जांच में सामने आया कि विजय परेड की प्लानिंग में भारी लापरवाही बरती गई थी। पुलिस ने इस मामले में सबसे पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार कर लिया है।6 जून को निखिल को बेंगलुरु एयरपोर्ट से उस समय हिरासत में लिया गया जब वह कथित तौर पर मुंबई भागने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक निखिल ने विजय परेड की प्लानिंग में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों में कमी के कारण हालात बेकाबू हो गए। उनके सात इवेंट कंपनी के तीन कर्मचारी किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू को भी हिरासत में लिया गया है।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में आरसीबी के तीन अधिकारी गिरफ्तार

बेंगलुरु, 6 जून। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरा हुई भगदड़ ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना ने ने केवल खेल प्रेमियों, बल्कि पूरे कर्नाटक को गहरे सदमे में डाल दिया।

वहीं हादसे के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सख्त कदम उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। शुक्रवार को बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क की सीनियर इवेंट मैनेजर किरण कुमार और वाइस प्रेसिडेंट सुनील मैथ्य को गिरफ्तार कर लिया।ये हादसे तब हुआ जब आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के लिए स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हुए थे। जश्न का आयोज आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से किया गया था। लेकिन भीड़ प्रबंधन में भारी चूक और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये उत्सव एक त्रासदी में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था और आयोजकों ने भीड़ की संख्या का सही आकलन नहीं किया था।

सीएम सिद्धारमैय ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। उन्होंने इस हादसे की जांच के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक एकल-न्यायिक आयोग गठित करने का ऐलान किया। आयोग को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, सीएम ने बेंगलुरु पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इनमें बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास, डीसीपी शेखर एच टेक्कनवर, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर और अन्य निचले स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

बेंगलुरू भगदड़ जैसे हादसे को रोकने के लिए बीसीसीआई जारी कर सकती है एडवाइजरी

नई दिल्ली, 6 जून। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बेंगलुरु में जिस तरह की भगदड़ हुई, भविष्य में वैसा कोई हादसा न हो, इसके लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी करेगा। बुधवार को आईपीएल विजेता आरसीबी के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की झलक देखने के लिए बड़ी तादाद में फैन जुटे थे और उसी दौरान भगदड मच गई।सैकिया का मानना है कि जल्दबाजी में विजय जुलूस की वजह से ट्रैजिटी हुई। उन्होंने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद मुंबई में भारतीय क्रिकेट टीम की खुली बस में विजय जुलूस का उदाहरण भी किया। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने विक्ट्री परेड की सावधानी से प्लानिंग की थी इसलिए वह बहुत ही सुचारु ढंग से हो गया। सैकिया ने सीएनएन-न्यूज 18 के साथ बातचीत में कहा कि कोई टीम टूर्नामेंट के बाद किस तरह जश्न मनात है, उस पर बीसीसीआई को कोई नियंत्रण नहीं है। लेकिन भविष्य में इस तरह की घटनाओं को होने से रोकने के लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी कर सकता है।

इंडोनेशिया ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर हुआ समाप्त, मलेशियाई जोड़ी से मिली हार

जकार्ता, 6 जून। सात्विकसाई राज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का सफर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को मलेशियाई की मान वेई चोंग और ति काई वुन की जोड़ी के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड की पूर्व नंबर वन भारतीय जोड़ी 2023 में इस टूर्नामेंट की विजेता बनी थी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। ये चोंग वुन की जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पिछले पांच मैचों में ये पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मान वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था।

पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया।

दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी। मलेशियाई टीम ने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा दोनों टीम के बीच अंतर को 15-9 कर दिया। भारतीय जोड़ी हालांकि आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थी और उन्होंने जल्द ही स्कोर 16-18 कर दिया। मलेशिया की टीम ने हालांकि इसके बाद चार मैच प्वाइंट हासिल किए और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन, 6 जून। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को रॉब वाल्टर को राष्ट्रीय पुरुष टीम के तीनों प्रारूपों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। जून के मध्य से कार्यभार ग्रहण करने वाले वाल्टर को गैरी स्टीड के जाने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जुलाई में उनके साथ टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जायेगी। उनका अनुबंध 2028 के आखिर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप तक चलेगा।

वाल्टर इस वर्ष अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की सफेद टीमों की देखरेख कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 में अपने पहले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, जहां वे बारबाडोस में भारत से हार के बाद उपविजेता रहे। उन्होंने लगातार आठ मैचों की जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड टीम का कोच नियुक्त किये जाने पर वाल्टर ने कहा, ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है और इसमें योगदान देने का मौका मिलना वास्तव में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करना एक अद्भुत अवसर है, जिसमें कई वैश्विक आयोजनों के साथ-साथ बड़ी द्विपक्षीय श्रृंखलाएँ भी होंगी।

केपीएल खेलो प्रीमियम 7 के सभी लीग मैच पूरे

आज से होंगे नॉकआउट मुकाबले

जयपुर, 6 जून। राजधानी के एसएमएस स्टेडियम में चल रही वैश्य समाज की खेलो प्रीमियर लीग (केपीएल-7) में शुक्रवार को दूसरे दिन लीग के सभी मैच पूरे हो गए। शुक्रवार के मुकाबले बहुत ही रोमांचक रहे। गुरुवार और शुक्रवार को सम्पन्न हुए 12 लीग मैच के रिजल्ट्स के आधार पर सेमीफाइनलिस्ट तय हो गए हैं। शुक्रवार को मुख्य अतिथि खेल और युवा मामलात के शासन सचिव तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन रहे और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। केपीएल चीफ़ सेकेट्री रितेश खंडेलवाल ने बताया कि प्रदर्शन के आधार पर ग्रुप ए में अल्टीमो डेयरडेविल्स एवं लकी सुपर इंडियन्स और ग्रुप बी में राजघराना टाइगर्स एवं वर्ल्डवाइड स्पार्टन्स सेमीफाइनल में पँहुची। जयपुर रॉयल्स, पिंकसिटी टाइटन्स, रजवाड़ा ब्लास्टर्स एवं राजपुताना वारियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टूर्नामेंट में शनिवार को 4 मैच होंगे, जिसमे सुबह 2 नॉक आउट मैच किड्स के होंगे। उसके बाद 10 बजे पहला सेमीफाइनल और 3 बजे दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। रविवार 8 जून, 2025 को 4 मैच होंगे। जिसका मुख्य आकर्षण डे नाइट फाइनल मैच होगा। जिसमें एल्डर्स मैच, फीमेल मैच और किड्स फाइनल भी होगा। टूर्नामेंट के फिनाले में मुख्य आकर्षण फ़िल्म एक्टर्स सलोनी राउत रहेगी। केपीएल से जुड़े सभी खिलाड़ी, टीम ओनर्स, पार्टनर्स सहित हज़ारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच देखने एसएमएस स्टेडियम में एकत्रित हुए। कार्यक्रम में बोर्ड डायरेक्टर मनोज सौंखिया, नवीन खण्डेलवाल, रतन ताम्बी, श्रीराम खण्डेलवाल, सोमेश गुप्ता, वीनू गुप्ता, कैलाश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, कमल कट्टा, दीपक गुप्ता, अमित डंगायच, कमल खूंटेटा, सुकुमार पाटोदिया, अभिषेक गुप्ता, मोहित नाटाणी, उमेश खूंटेटा समेत अनेक समाजसेवी और उद्यमी गण उपस्थित रहे।

दक्षिण अफ्रीका में पांच नये खिलाड़ी

केप टाउन, 6 जून। दक्षिण अफ्रीका ने 28 जून से 10 जुलाई तक जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो के क्वीन स्पोर्ट्स क्लब में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टीम की कप्तान टेम्बा बावुमा को दी गई है जबकि कैगिसो रबाडा, एडेन मार्कराम, मार्को जेनसन, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे कई नियमित टेस्ट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, नहीं होगी कोई कार्रवाई

बेंगलुरु, 6 जून। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए भगदड़ मामले में राज्य क्रिकेट संघ को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अपने आदेश में अधिकारियों से कहा है कि वे क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे।राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने भगदड़ मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया था। पहली बार आईपीएल जीतने के बाद आरसीबी की टीम ने 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाया था। उसी दौरान स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी और 56 अन्य घायल हुए थे।पुलिस ने इस मामले में आरसीबी इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कन्नड़ में दर्ज की गई एफआईआर में लिखा है कि बिना पर्याप्त इंतजाम किए प्रोग्राम किया गया। स्टेडियम में फैंस के शांति से प्रवेश के लिए जरूरी पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। एफआईआर में आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए और केएससीए के पदाधिकारियों का नाम लिखा गया है।

चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 6 जून। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। चावला ने आज सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने संन्यास लेने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से अधिक समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। वह 2007 में टी-20 विश्वकप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप की विजेता टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का आशीर्वाद है इसकी यादें हमेशा उनके दिल में बनी रहेंगी।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी से पहले पटौदी ट्रॉफी व एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था

नई दिल्ली, 6 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। ये टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी और 4 अगस्त तक चलने वाली है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हो गई है। इस दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गी है वहीं अब इस ट्रॉफी को सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर किया जा रहा है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को तेंदुलकर एंडरसन सीरीज नाम दिया जाने वाला है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई ने साथ मिलकर ये फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का अनावरण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में किया जाएगा, जो कि 11 जून से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। भारत- इंग्लैंड के बीच ये टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

वेई यी को हराकर गुकेश नॉर्वे शतरंज के अंतिम दौर में

स्टवान्गर (नॉर्वे), 6 जून। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर के मुकाबले में विश्व चैंपियन गुकेश डी ने चीन के वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के खिताबी दौर में जगह बना ली है। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर में भारत के गुकेश डी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चीन के नंबर वन वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के अंतिम दौर में प्रवेश कर लिया है। गुकेश ने वेई यी की एक महत्वपूर्ण शुरुआती गलती का फायदा उठाकर बढ़त हासिल की। तेज आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गुकेश डी ने मुकाबले को जीतकर गेम में पूरे अंक हासिल किये। गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि कार्लसन उनसे आधा अंक आगे है।

वहीं एक अन्य मैच में दुनिया के नंबर वन मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के फैबियानो कारुआना का मुकाबला हुआ। मुकाबले में एक समय ऐसा लगा रहा था कि कार्लसन हार जायेंगे, लेकिन उन्होंने हराने की स्थिति से वापसी करते हुए कारुआना को हराकर पूरे अंक हासिल किये। हिकारू नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच का खेल बराबरी पर समाप्त हुआ। हिकारू नाकामुरा ने आर्मगेडन गेम में जीत हासिल की और महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक प्राप्त किये। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा।

नीरज पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे

नई दिल्ली, 6 जून। मौजूदा भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा 20 जून को स्टेड सेबेस्टियन-चार्लीटी में होने वाली पेरिस डायमंड लीग 2025 में भाग लेंगे। नीरज आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में वापसी करेंगे। वर्ष 2017 में वह इस स्पर्धा में 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। जर्मनी के जोहान्स वेटर ने 88.74 मीटर का थ्रो कर इस स्पर्धा को जीता था। नीरज के 2024 संस्करण में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन पेरिस ओलंपिक की तैयारी के मद्देनजर वह इस स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। मई में दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा ने 90.23 मीटर दूर भाला फेंक कर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोडा था। नीरज का सबसे हालिया प्रदर्शन 23 मई को पोलैंड के चोरजो में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में हुआ था। नीरज ने टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर भाला फेंक कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज ने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण स्पर्धा जीतकर अपने 2025 एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत की थी। उन्होंने 84.52 मीटर थ्रो किया था। वह 24 जून को चेकिया में होने वाली गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स स्पर्धा की प्रवेश सूची में भी शामिल हैं और पांच जुलाई को बेंगलुरु में उद्घाटन में नीरज क्लासिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स के बीच होगी सेमीफाइनल की जंग

अहमदाबाद, 6 जून। ड्रीम यूटीटी जूनियर्स के पहले सत्र के नॉकआउट चरण सेमीफाइनल में यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में रविवार को दोनों सेमीफाइनल मैच खेलें जायेंगे। लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स ने ड्री यूटीटी जूनियर्स के सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है।

आरसीए राज्य के खिलाड़ियों को बढ़िया प्रदर्शन के लिए करेगा उत्साहित : बिहाणी

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने के लिए देगा पुरस्कार

जयपुर, 6 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी राज्यके युवा खिलाड़ियों के हित में न केवल सभी निर्णय लेगी साथ ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 के दौरान आयोजित की जाने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में अपने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरुस्कृत करेगी। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आगामी 7 जून से श्रीगंगानगर में व 9 जून से राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का आयोजन किया जायेगा।श्रीगंगानगर में 7 जून से आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के प्लेट ग्रुप सी के मैच खेल जाएंगे जिसमे धौलपुर, बीकानेर, डूंगरपुर, पाली, जैसलमेर जिला क्रिकेट संघो की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के दिनांक 7 जून को पहले दिन श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जाने वाले मैचो में पहला मैच बिहाणी क्रिकेट ग्राउंड, डूंगरपुर बनाम पाली जिला टीमों के मध्य एवं दूसरा मैच स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स टांटियायूनिवर्सिटी में धौलपुर बनाम बीकानेर जिला टीमों के मध्य खेला जाएगा।बिहाणी ने बताया की राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी को मैन ऑफ़ थ मैच सहित प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरुस्कार भी इस वर्ष से शुरू किये जा रहे हैं जिससे न केवल खिलाडियों का होंसला बढ़ेगा साथ ही खिलाडियों को प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी व अपने उच्च प्रदर्शन के दम पर राज्य के युवा खिलाडी राष्ट्रिय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर पाएं। बिहाणी के अनुसार आरसीए द्वारा राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली राज्यस्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है व प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए कार्यालय कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं की प्रतियोगिता व खेल गतिविधियों में भाग ले रही टीमों व खिलाडियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो व खिलाडी प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे पाएं इसका विशेष ध्यान रखा जाये।

भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का गठन

दीपांक दास पुन : बने प्रमोशन बोर्ड के सदस्य

जयपुर, 6 जून। भारतीय जीवन बीमा निगम के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का सत्र 2025-2027 के लिए गठन किया गया जिसमें जयपुर के दीपांक दास का चयन, लगातार दूसरी बार, बोर्ड के सदस्य के रूप में किया गया है । दीपांक दास टेबल टेनिस के पूर्व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है तथा अंतरराष्ट्रीय एंपायर भी है। जयपुर संभाग से दीपांक दास प्रथम व्यक्ति है जिनका लगातार दूसरी बार इस बोर्ड में चयन हुआ है। दीपांक दास ने 2008 में जयपुर में आयोजित साउथ एशिया पेसिफिक खेलों में, 2010 में दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों में, 2015 में जयपुर में आयोजित जीएसी ग्रुप एशिया कप खेलों में तथा 2018 में जयपुर में आयोजित वेटरन नेशनल खेलों मे व नवंबर 2024 में आयोजित भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेलों सहित कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिताओ के आयोजन में अंतरराष्ट्रीय अंपायर व प्रतियोगिताओं के सफल संचालक के रूप मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान मे दीपांक दास भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत है। दीपांक दास 17 बार भारतीय जीवन बीमा निगम की उत्तर क्षेत्रीय प्रबंधक ट्रॉफी के विजेता रह चुके हैं व 26 बार इन्होंने अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम प्रतियोगिताओं मे उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। दीपांक दास भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की व उसके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग प्रदान करेंगे व निगम में खेलो के प्रोत्साहन व उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

फीफा विश्वकप क्वालीफायर में अर्जेंटीना ने चिली को हराया

सैंटियागो, 6 जून। जूलियन अल्वारेज के पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप क्वालीफायर में चिली पर 1-0 से जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नैशनल में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में अल्वारेज ने 23वें मिनट में थियागो अल्माडा की थ्रू बॉल पर गोलकीपर ब्रायन कॉर्टेस के ऊपर से शॉट मारकर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने अधिकतर समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा। दूसरे हाफ में चिली ने वापसी प्रयास किया।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों की एसी ट्रेन को रामेश्वरम, मदुरई रवाना किया

उन्होंने दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 25-26 का शुभांरभ किया

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत इस साल 50 हजार वरिष्ठ जनों को एसी ट्रेनों से 13 तीर्थस्थलों की यात्रा करायेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की प्रथम वातानुकूलित "राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन" को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनको सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

जयपुर, 6 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025-26 का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही, योजना के तहत प्रथम वातानुकूलित 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस एसी ट्रेन से वरिष्ठ नागरिकगण रामेश्वरम एवं मदुरई के तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनकी सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे लिए एक अमूल्य धरोहर और समाज का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इनके अनुभव और आदर्श हमें जीवन में सही राह पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना जीवन भर समाज एवं राष्ट्र की सेवा करने वाले वरिष्ठ जनों की सेवा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भाव है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा रहती है कि वह अपने जीवनकाल में महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों की यात्रा करे, वरिष्ठजनों की पावन धामों के दर्शन करने की इच्छा से प्रेरित होकर यह तीर्थयात्रा योजना चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान सभी तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा भोजन, ठहरने की सुविधा सहित, सभी आवश्यक सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत, इस साल 50 हजार वरिष्ठजनों को पहली बार एसी ट्रेनों से 13 विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा करवाई जा रही है। इसके पहले लगभग छह हजार श्रद्धालुओं को हवाई जहाज से नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करवाए गए हैं। इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में तीर्थयात्री और उनके परिजन उपस्थित थे।

जी-7 की मीटिंग के लिए मोदी को न्यौता

नयी दिल्ली, 06 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 देशों की शिखर बैठक में शामिल होने इस महीने कनाडा जायेंगे। यह बैठक 15 से 17 जून तक अलबर्टा प्रांत के कनानास्किस में होनी है।

मोदी ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी ने उन्हें फोन कर जी -7 की बैठक का न्यौता दिया। उनकी इस पोस्ट से पिछले कुछ दिनों से भारत के इस बैठक में शामिल होने को लेकर लगायी जा रही अटकलों पर विराम लग गया है।

- प्र.मंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि कैनडा के प्रधानमंत्री ने फोन करके जी-7 मीटिंग में आने का निमंत्रण दिया है।

मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री मार्क जे कानी का फोन आने पर प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें हाल के चुनावों में मिली विजय के लिए बधाई दी और कनानास्किस में इस महीने होने वाली जी-7 की बैठक में भाग लेने का आमंत्रण देने के लिए धन्यवाद दिया।

जी-7 देशों में कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन तथा इटली शामिल हैं। मोदी इस शिखर बैठक में विशेष आमंत्रित के तौर पर भाग लेंगे।

सचिन पायलट ने टोंक के 10 गाँवों में जनसुनवाई की

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल धुआं फेंक रही है

टोंक, 6 जून (निस)। दो दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने दूसरे दिन टोंक विधानसभा क्षेत्र के करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की। इस दौरान लोगों ने पायलट को बिजली-पानी सहित कई परेशानियां बताईं, जिसके लिए पायलट ने अधिकारियों को निर्देश देकर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने 11 बार कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़फायर कराया। यह दुख की बात है, अभी तक सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों ने इसका खंडन नहीं किया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक दौरे के दूसरे दिन करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की।

पायलट ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार सिर्फ धुआं फेंक रही है। भाजपा के पिछले डेढ़ साल के कार्यकाल से लग रहा है कि पिछली कांग्रेस सरकार में किये गये कार्यों की देखरेख भी वर्तमान भाजपा सरकार ठीक तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है।

पायलट ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, 11 बार यह कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़ फायर करवाया है। यह बड़े दुख की बात है कि अभी तक भी सर्वोच्च पद पर बैठे जिम्मेदार लोगों ने इसका खंडन नहीं किया है, वैसे भी अमेरिका के राष्ट्रपति कौन होते हैं सीज़ फायर करवाने वाले। पायलट ने कहा कि जवाबी कार्यवाही तो उसे कहते हैं, जब इंदिरा गांधी के समय पाकिस्तान के 95 हजार सैनिकों ने हथियार डाल दिये थे। पाकिस्तान में टूटी- फूटी सरकार है।

पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत और गुर्जर आरक्षण को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि संविधान में जो राहत लोगों को दी गई है, उस पर अमल नहीं होगा तो जनता को उसका जवाब मांगने का अधिकार है। जो एग्रीमेंट हैं, गजट नोटिफिकेशन हैं, उनकी पालना नहीं होती है, यह तो भारत सरकार को भी देखना चाहिए।

पायलट के दौरे के दौरान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, भंवर लाल बंशीवाल सहित, सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

मोदी सरकार की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चिंता बढा दी है।

शीर्षस्थ कूटनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञ भारत की रणनीतिक स्थिति को कमज़ोर होते देख कर चिन्तित एवं आशंकित दिखाई दे रहे हैं। एक पूर्व भारतीय राजदूत ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, " गहन प्रयासों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं में पाकिस्तान की भूमिका को रोकने में भारत की असफलता यह दर्शा रही है कि विदेश नीति में इरादे और अमल के बीच गहरी खाई है।

पूर्व विदेश मंत्री और मोदी सरकार की विदेश नीति व आर्थिक नीति के प्रखर आलोचक डॉ. के.सी. मेनन ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "भारत की वैश्विक साख पर गंभीर अविश्वास खड़ा हो रहा है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो मुझे नहीं लगता कि मोदी सरकार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नतीजों का सामना किए बिना, अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर पाएगी।"

लेकिन सरकार ने इन आरोपों पर घोर चुप्पी साध ली है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बस इतना कहा कि एक दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति चल रही है और अल्पकालीन महत्व की घटनाएं भारत की वास्तविक वैश्विक स्थिति को प्रदर्शित नहीं करतीं।"

इस बीच, विपक्षी गठबंधन "इंडिया" आंतरिक सुरक्षा और विदेश नीति के रंग-ढंग को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुये एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की तैयारी में है। वरिष्ठ नेताओं ने सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए, अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में पारदर्शिता और जम्मू-कश्मीर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति से निपटने की योजना को स्पष्ट करने की मांग की है।

जैसे-जैसे संसद का मानसून सत्र नज़दीक आ रहा है, तीखे राजनीतिक टकराव का मंच तैयार हो रहा है। अब देखना यह है कि क्या मोदी सरकार अपनी (विजय) गाथा पर अड़ी रहेगी तथा उसे ही दोहराती रहेगी या फिर उसे देश और दुनिया में अपनी विदेश नीति की दिशा पर बढ़ती चिंता का सामना करना पड़ेगा।

'जम्मू-कश्मीर में बना विकास का माहौल, पहलगाम हमले से नहीं रुकेगा'

प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊँचे चिनाब रेल ब्रिज के उद्घाटन के दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा

श्रीनगर, 06 जून। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने चिनाब ब्रिज का जायजा भी लिया और इसको बनाने वाले कामगारों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। ये देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है, जो केबल स्टेड तकनीक पर बना है। यह ऐतिहासिक पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन के जरिये जम्मू से श्रीनगर का रास्ता केवल 3 घंटे का रह जाएगा।

पीएम मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर में 46 हजार करोड़ की परियोजना का उद्घाटन किया।

मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला था। यह पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी, जो कश्मीर में तेजी से बढ़ रहे पर्यटन और आर्थिक विकास को रोकना चाहता था। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर के विकास के वेग को रुकने नहीं दिया जाएगा।

- प्रधानमंत्री ने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा ब्रिज है जो केबल स्टैंड तकनीक पर बना है।
- मोदी ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत व कश्मीरियत पर हमला किया, वे भारत में दंगे कराना चाहते थे, पर, कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त कर दिया।

प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले में नौजवान आदिल की हत्या का भी उल्लेख किया और कहा कि आदिल वहां मेहनत-मजदूरी करने गया था। आतंकियों ने उस आदिल को भी मार दिया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इस साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं, जम्मू-कश्मीर की आवाम ने इस बार जो ताकत दिखाई है, ये सिर्फ पाकिस्तान नहीं, दुनियाभर की आतंकवादी मानसिकता को, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि विकास का जो वातावरण जम्मू-कश्मीर में बना था, वो पहलगाम के हमले से डिगने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गत 06 मई की वो रात, पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा, तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। सभा में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, जितेन्द्र सिंह और वी सोमन्ना जी, जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार, विधानसभा में नेता विपक्ष सुनील और अन्य गणमान्य व्यक्त उपस्थित थे।

क्या "इमरजैंसी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया है। इसके विपरीत, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस सहित 16 दलों के विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि ऑपरेशन 'सिंदूर' और उससे जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए। सरकार ने न तो इमरजेंसी सत्र को लेकर कांग्रेस के दावे पर कोई प्रतिक्रिया दी है, न ही इंडिया ब्लॉक के विशेष सत्र के अनुरोध पर कोई जवाब दिया है। ऐसे में स्थिति अभी भी गतिशील बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषक सरकार की ओर से किसी आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं, ताकि विशेष संसद सत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके।

3 अगस्त को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर एनबीई परीक्षा की तिथि आगे बढ़ ने की अनुमति के लिए गुहार लगा सकती है।

शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद एनबीई ने परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ ने समेत सुरक्षा संबंधी अन्य उपाय करने का हवाला देते हुए तीन जून को एक आवेदन के जरिए परीक्षा को तीन अगस्त को आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

'अपराध गंभीर हो तो एंटीसिपेटरी बेल ना दें'

नई दिल्ली, 6 जून। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी पूर्व जमानत बिना सोचे-समझे नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी बिहार के एक हत्या के मामले में चार आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत रद्द करते हुए की।

पीठ ने 1 मई को दिए गए आदेश में कहा, पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया है, जिसमें आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या की कोशिश) जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण से रहित है। ऐसे गंभीर मामलों में इस तरह से स्वचालित रूप से जमानत नहीं दी जा सकती। यह आदेश रद्द किया जाना चाहिए।मामले में कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता की उसके सामने ही लोहे की रॉड और डंडों से पिटाई की गई थी, जिससे उसकी उसी दिन मौत हो गई। यह विवाद रास्ते में रुकावट को लेकर हुआ था। एफआईआर में आरोपियों की भूमिका साफ तौर पर बताई गई है।

- सुप्रीम कोर्ट ने यह लैंड मॉर्क टिप्पणी पटना हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। पटना हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को पीट-पीट कर मार डालने के आरोपियों को जमानत दे दी थी।

करोना के एक्टिव केस हुए 5 हजार के पार

नयी दिल्ली, 06 जून। देशभर में करोना संक्रमण के 464 सक्रिय मामले बढ़ ने के साथ कुल सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार सुबह 5364 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 55 तक पहुंच गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह आठ बजे तक देश में करोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 5364 पहुंच गयी। अभी तक 4724 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 55 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण के कुल 1266 मामले सामने आये हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के नौ राज्यों में करोना के सक्रिय मामले सबसे अधिक हैं, जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसी अवधि में करोना संक्रमण के 498 नये सक्रिय मामले सामने आये हैं और 764 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान चार और मरीजों की जान चली गयी।

भगवान सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

देवनानी ने कहा कि उनका निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

वसुंधरा राजे ने कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने जीवनपर्यंत संगठन और समाज की सेवा को अपना धर्म माना।

इसी तरह उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित, कई नेताओं ने रोलसाबसर के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है।

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेल खाती रही हैं - जिनमें बंदरगाह, हवाई अड्डे, ऊर्जा, कोयला और रक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

वर्ष 2015 से ही भारतीय मीडिया ने इस प्रवृत्ति की ओर इशारा किया था: जहाँ भी मोदी विदेश दौरे पर जाते, उसके तुरंत बाद ही अडानी भी वहाँ एक्टिव हो जाते।

2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उसके तुरंत बाद अडानी समूह के कारोबार में तीव्र विस्तार हुआ। इस अवधि में समूह ने बंदरगाहों, हवाई अड्डों, नवीकरणीय ऊर्जा, डेटा सेंटर और ऊर्जा उत्पादन में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की

2014 में अडानी की अनुमानित संपत्ति लगभग 3.5 अरब डॉलर थी और 2022 तक, वे थोड़े समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति तक बन गए थे।

उस समय मोदी का दूसरा कार्यकाल चल रहा था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2014 के आम चुनाव अभियान के दौरान, मोदी ने चुनाव प्रचार के लिए कथित रूप से अडानी के प्राइवेट जैट का इस्तेमाल किया था।

इसके अलावा, अडानी समूह ने रणनीतिक सार्वजनिक परिसंपत्तियों, जैसे छह प्रमुख हवाई अड्डों (जिसमें मुंबई भी शामिल है) और प्रमुख बंदरगाहों, मुंद्रा और विजिंजम, की निविदाएं जीतीं और उन पर नियंत्रण किया।

पिछले एक दशक में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि अडानी समूह का अंतरराष्ट्रीय विस्तार अक्सर मोदी की उच्च स्तरीय कूटनीतिक यात्राओं के साथ मेल खाता है।

कई मामलों में, मोदी की यात्राओं के बाद महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौते होते देखे गए हैं।

कांग्रेस ने इस बार एक अंतरराष्ट्रीय विवाद को बहुत चतुराई से भारतीय संदर्भ में ढाल कर मोदी-अडानी संबंधों को फिर से चुनावी विमर्श के केन्द्र में ला दिया है।

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्रांसफर लगभग सभी ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स) आम जनता के बीच भले ही कम जाना-पहचाना नाम हो, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर देश के पास केंद्रीय बैंक होता है जो प्राइस स्टेबिलिटी और मॉनिटरी सिस्टम की निगरानी करता है, और बी.आई.एस. एक तरह से इन केंद्रीय बैंकों का "बैंकर" है।

बी.आई.एस. ने 17 मई को स्विट्जरलैंड के बाज़ल शहर में अपनी 95वीं वर्षगांठ मनाई, जहाँ इस संस्था द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिकाओं को प्रदर्शित किया गया। बी.आई.एस. की स्थापना प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के तुरंत बाद जर्मनी से युद्ध हर्जाने के भुगतान के प्रबंधन के लिए की गई थी।

प्रथम विश्व युद्ध के अंत में जर्मनी को मित्र राष्ट्रों को युद्ध हर्जाने के रूप में भारी भुगतान करने के लिए बाध्य किया गया था। ये भुगतान पहले बी.आई.एस. को दिए जाते थे, जो फिर फ्रांस या ब्रिटेन जैसे विभिन्न देशों के दावे निपटाता था।

लेकिन 1932 तक, वर्साय शांति समझौता और उसके हर्जाना भुगतान के प्रावधान अप्रभावी हो गए, क्योंकि जर्मनी इतनी बड़ी रकम चुकाने की स्थिति में नहीं था। जर्मनी में अत्यधिक महंगाई के कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी और प्रयासों के बावजूद कोई भी राशि नहीं वसूली जा सकी।

इसलिए बी.आई.एस. की मूल भूमिका अप्रासंगिक हो गई और यह धीरे-धीरे विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच लेनदेन और दावों को निपटाने का मंच बन गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बी.आई.एस. को एक नई भूमिका मिली। यह अमेरिका की मार्शल योजना के तहत यूरोपीय देशों के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी रकम के हस्तांतरण का प्लेटफॉर्म बन गया। जब पुनर्निर्माण कार्य धीमा पड़ने लगा, तो बी.आई.एस. एक ऐसा मंच बन गया जहाँ केंद्रीय बैंक अधिकारी मिलकर मौद्रिक स्थिरता और नीतियों पर चर्चा करने लगे।

- पर, दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देशों के पुनर्निमाण के लिए भारी राशि आई, अमेरिका के मार्शल प्लान के तहत, तब बी.आई.एस. की दुकान फिर चल पड़ी।
- पर, कालांतर में, बी.आई.एस. को समय की आवश्यकता के अनुसार, अपना स्वरूप व कामकाज बदलना पड़ा और अब आर.टी.जी.एस. के रूप में वह पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय संकटों से गुजरने के अनुभव की उसकी स्मृतियां तथा डेटा बेस उसका सबसे बड़ा "एसैट" (धरोहर) हैं तथा फायनैंशियल सिस्टम को संकटों से निपटने के लिए उठाये गये नीतिगत निर्णय व प्रक्रिया, अब भावी संकटों से निपटने में भारी भूमिका निभायेंगे।

केन्द्रीय बैंकों के बीच पॉलिसी पर विचार विमर्श के लिए बी.आई.एस. प्लेटफॉर्म का मुख्य आधार इसकी मजबूत शोध क्षमताएं और डेटाबेस है। बी.आई.एस. इन केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीतियों पर समन्वय स्थापित करने का प्रमुख मंच प्रदान करता है। यद्यपि प्रत्येक देश की अपनी आर्थिक परिस्थितियाँ और जरूरतें होती हैं, जिनका समन्वय करना होता है।

बी.आई.एस. की एक अन्य भूमिका यह भी रही कि यह वैश्विक स्तर पर धन प्रवाह (फ्लो ऑफ फण्ड्स) की निगरानी करे। द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद विभिन्न आर्थिक और वित्तीय घटनाओं के कारण विभिन्न देशों के बीच फंड का प्रवाह बढ़ने लगा।

इसका एक प्रमुख कारण था, फिक्स्ड एक्सचेंज रेट से हटकर बाजार आधारित एक्सचेंज रेट की ओर जाना। इससे देशों की मौद्रिक नीतियों को नई दिशा में ढालना आवश्यक हो गया?

ये बदलाव उस नए वैश्विक आर्थिक माहौल का सीधा नतीजा थे, जो उस समय उभर रहा था। पहले यह माना जाता था कि किसी भी देश के करंट अकाउंट (चालू खाते) में शून्य बैलेंस होना चाहिए और किसी भी स्थिति में चालू खाता घाटा (स्ट्रक्चरल करंट एकाउंट डैफिसिट) स्वीकार नहीं किया जाता था। लेकिन बाद में यह सोच बदलने लगी। इस नए सिस्टम का मुख्य आदर्श उदाहरण यह था कि कुछ देशों (जैसे चीन) के पास भारी मात्रा में सरप्लस पूँजी जमा होने लगी और कुछ देशों (जैसे अमेरिका) पर भारी घाटा हो गया।

इसका नतीजा यह हुआ कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बड़े पैमाने पर पूंजी का प्रवाह होने लगा। इससे बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता पैदा होने लगी।

व्यापार के जरिए आने वाले पैसों के साथ-साथ, बाजार में नई ताक़त के रूप में संस्थागत निवेशक (इन्स्टिट्यूशनल इन्वैस्टर) सामने आए। ये निवेशक सिर्फ एक बटन दबाकर बड़ी रकम को एक देश से दूसरे देश में भेज सकते थे। ऐसे अचानक आने-जाने वाले अनुमानित निवेश (स्पैक्युलेटिव फण्ड्स) से एक्सचेंज रेट्स में भारी बदलाव आ सकते थे, जो आगे चलकर देशों की असली अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करते थे।

इतने बड़े पैमाने पर हो रहे पैसों के आवागमन के सामने बी.आई.एस. की भुगतान और निपटारे की पारम्परिक भूमिका अब कमजोर व अप्रासंगिक हो गई।

लेकिन बी.आई.एस. के लिए एक नई भूमिका साफ दिखाई दे रही थी, इसका डेटाबेस और रिसर्च संसाधन आर्थिक संकट के समय नीति बनाने में मददगार बन सकते थे।

इस तरह, बी.आई.एस. अब अपनी मूल भूमिका से बहुत आगे निकल गया है और अब यह एक ऐसा स्थायी मंच बन गया है जहाँ दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के नीति निर्माता मिलते हैं, मॉनिटरी पॉलिसी और बैंकिंग रेगुलेशन पर चर्चा करते हैं, ताकि वित्तीय स्थिरता बनी रह सके।

बी.आई.एस. (बैंक फॉर इन्टरनैशनल सैटलमैंट) की स्थापना आज की आई.एम.एफ. और वर्ल्ड बैंक जैसी ब्रैट संस्थाओं से भी पहले हुई थी। यह अब ग्लोबल फायनैंस में 100 साल पूरे करने की ओर बढ़ रहा है।

बी.आई.एस. के पास वित्तीय संकटों का संस्थागत अनुभव, आर्काइव्ज़ और डेटा मौजूद हैं - जो आने वाले समय में वित्तीय पूंजीवाद (फायनैंशियल कैपिटलिज़्म8) को बनाए रखने के लिए एक अमूल्य संसाधन साबित हो सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908